राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

वर्ष 15, अंक 86 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, गुरुवार 05 फरवरी 2026 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

जगदलपुर में पति ने आपसी विवाद में पत्नी की कुल्हाड़ी से की निर्मम हत्या,फिर फांसी लगा की खुदकुशी

जगदलपुर। जगदलपुर के दंतेश्वरी वार्ड में बीती रात एक पति ने आपसी विवाद में अपनी पत्नी की हत्या करने के बाद खुद ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, घटना की जानकारी लगते ही बोधघाट पुलिस के साथ ही फॉरेंसिक की टीम मौके पर आ पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जानकारी देते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेश्वर नाग ने बताया कि बैलाबाजार दंतेश्वरी वार्ड निवासी तारासिंह 75 वर्ष का अपनी पत्नी विजय कौर 70 वर्ष का बीती रात किसी बात को लेकर विवाद हो गया, जिसके बाद दोनों के बीच काफी देर तक बहसबाजी हुई। जिसके बाद दोनों रात को सोने चले गए, जहां रात 2 बजे के लगभग दोनों के बीच फिर से विवाद हुआ, गुस्साए तारासिंह ने घर में रखे हुए नारियल काटने वाले ओजार से पत्नी के ऊपर हमला करना कर दिया। जिससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई।

पिता ने 6 साल की मासूम को नहर में फेंककर उतार दिया मौत के घाट

नांदेड़। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले से मानवीय संवेदनाओं को झकझोर देने वाली एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहाँ पंचायत चुनाव में सरपंच पद का चुनाव लड़ने की चाहत ने एक पिता को इतना अंधा कर दिया कि उसने अपनी ही 6 साल की मासूम बेटी को मौत के घाट उतार दिया। पुलिस जांच में जो सच सामने आया है, वह बेहद चौंकाने वाला है। आरोपी को डर था कि तीन बच्चे होने के कारण वह 'दो बच्चों के नियम' के तहत पंचायत का चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित हो जाएगा, इसलिए अपनी दावेदारी पक्की करने के लिए उसने अपनी एक संतान की बलि चढ़ा दी। नांदेड़ के केरूर गांव का रहने वाला 28 वर्षीय आरोपी पांडुरंग कोंडमंगले पेशे से एक सैलून चलाता है। पांडुरंग के तीन बच्चे थे, जिनमें 6 साल की दो जुड़वां बेटियां और एक 3 साल का बेटा शामिल है। पांडुरंग की दिली ख्वाहिश थी कि वह गांव का सरपंच बने, लेकिन महाराष्ट्र का पंचायत राज कानून उसके सपनों के आड़े आ रहा था। इस कानून के मुताबिक, दो से अधिक संतान होने पर कोई भी व्यक्ति पंचायत चुनाव नहीं लड़ सकता है।

कम दृश्यता के कारण इंडिगो की उड़ानों पर असर

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में खराब मौसम के कारण विमान सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। इसी कड़ी में देश की प्रमुख एयरलाइन इंडिगो ने मंगलवार को यात्रियों के लिए ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। इंडिगो ने बताया कि देहरादून, हैदराबाद और अगरतला में कम दृश्यता की स्थिति बनी हुई है, जिसका सीधा असर उड़ानों के संचालन पर पड़ा है। इन शहरों से आने-जाने वाली फ्लाइट्स के प्रस्थान (डिपार्चर) और आगमन (अराइवल) में देरी हो सकती है।

साय कैबिनेट के बड़े फैसले

छत्तीसगढ़ में स्टार्टअप्स को मिलेगा बड़ा सपोर्ट-सीएम साय

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आज बुधवार को मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मादक पदार्थों की रोकथाम की दिशा में बड़ा निर्णय लेते हुए मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रदेश के 10 जिलों में जिला स्तरीय एन्टी नारकोटिक्स टॉस्क फोर्स के गठन के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के मुख्य बजट में प्रावधानित 100 नवीन पदों की स्वीकृति प्रदान की गई। इसमें रायपुर, महासमुंद, बिलासपुर, दुर्ग, बस्तर, सरगुजा, कबीरधाम, जशपुर, राजनांदगांव एवं कोरबा जिला शामिल हैं। मंत्रिपरिषद की बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के मुख्य बजट में पुलिस मुख्यालय के विशेष शाखा अंतर्गत एस.ओ.जी. (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप) के गठन के लिए प्रावधानित 44 नवीन पदों की स्वीकृति प्रदान की गई है। एसओजी का काम किसी भी बड़ी या अचानक हुई घटना में तुरंत मौके पर पहुँचकर हालात को संभालना और आतंकी हमला या गंभीर खतरे को जल्दी खत्म करना होता है। एसओजी एक खास तरह की प्रशिक्षित टीम होती है, जिसे ऐसे खतरनाक कामों के लिए तैयार किया जाता है। मंत्रिपरिषद द्वारा राज्य के विभिन्न एयरपोर्ट एवं हवाई पट्टियों में उड़ान प्रशिक्षण संगठन (एफटीओ) की स्थापना का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया तथा इसके संचालन के दिशा-निर्देशों का अनुमोदन किया गया। जिसके तहत छत्तीसगढ़ में पायलट प्रशिक्षण की सुविधा के लिए राज्य में उड़ान प्रशिक्षण संगठन की स्थापना की जाएगी। विमानन

क्षेत्र में बढ़ती मांग को देखते हुए और युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए यह संस्थान उपयोगी होगा। इससे एयरक्राफ्ट रिसाइकिलिंग, हेलीकॉप्टर बंकिंग तथा एयरो स्पोर्ट्स जैसी सुविधाएं विकसित होगी। फ्लाइट ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन की स्थापना निजी सहभागिता से किया जाएगा। मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ नवाचार एवं स्टार्टअप प्रोत्साहन नीति 2025-26 का अनुमोदन किया गया। इस नीति से स्टार्टअप ईको सिस्टम के साथ-साथ इन्क्यूबेटर्स एवं अन्य हितधारकों का विकास होगा। छत्तीसगढ़ को देश में एक प्रमुख नवाचार केन्द्र के रूप में विकसित किया जा सकेगा। भारत सरकार के उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग द्वारा जारी स्टेट्स स्टार्टअप रैंकिंग में सुधार होने से राज्य में निवेश का आकर्षण बढ़ेगा। मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल और रायपुर विकास प्राधिकरण द्वारा बनाई गई और पूरी हो चुकी 35 आवासीय कॉलोनियों को नगर निगम और नगर पालिकाओं को सौंपने का निर्णय लिया गया है। इन कॉलोनियों में खुले भू-खंड, उद्यान और अन्य सार्वजनिक सुविधाएं शामिल होंगी। हालांकि, आवासीय, व्यावसायिक और अर्द्धसार्वजनिक बिक्री योग्य संपत्तियां इसमें शामिल नहीं होंगी। अभी इन कॉलोनियों का हस्तांतरण नहीं होने के कारण वहां रहने वाले लोगों को कई मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। कॉलोनियों के रखरखाव के लिए निवासियों को दोहरा खर्च उठाना पड़ रहा है।

चयनित मोबाइल नेटवर्क विहीन बसाहटों में टावर की स्थापना की जाएगी

छत्तीसगढ़ क्लाउड फर्स्ट नीति के अनुसार राज्य शासन के सभी विभाग, उपक्रम एवं स्वायत्त संस्थाएं केवल भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा अनुमोदित क्लाउड सेवा प्रदाताओं या भारत में स्थित सुरक्षित डेटा सेंटर एवं डिजास्टर रिकवरी सेंटर से ही क्लाउड सेवाएं लेंगी। किसी विशेष या असाधारण आवश्यकता के लिए राज्य क्लाउड परिषद से अनुमति लेना अनिवार्य होगा। नीति के तहत कम प्राथमिकता वाले एप्लिकेशन एवं आर्काइव डेटा का क्लाउड माइग्रेशन वर्ष 2027-28 तक तथा उच्च प्राथमिकता सेवाओं का माइग्रेशन 2029-30 तक किया जाएगा। सभी नए एप्लिकेशन क्लाउड-नेटिव तकनीक पर विकसित किए जाएंगे। कैबिनेट ने इस नीति में भविष्य में आवश्यक संशोधन करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग को अधिकृत किया है।

पास खड़े अखिलेश यादव ने दिया सहारा

सदन की सीढ़ियों पर लड़खड़ाकर गिरे थरूर

नई दिल्ली। संसद के सत्र के बाद का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद शशि थरूर संसद की सीढ़ियों पर अचानक अपना संतुलन खो बैठते हैं। लेकिन तभी पास खड़े सपा मुखिया अखिलेश यादव उन्हें संभालते हुए नजर आते हैं। सोशल मीडिया पर ये वीडियो खूब वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर संसद की सीढ़ियों पर खड़े होकर किसी से फोन पर बात कर रहे थे। फोन पर बातचीत में मशगूल थरूर ने जैसे ही बात करते-करते सीढ़ियों से नीचे

उतरने की कोशिश की उनका पैर अचानक फिसल गया। फिसलने के कारण थरूर का संतुलन पूरी तरह बिगड़ गया और वह नीचे गिर गए। तभी वहां मौजूद अन्य सांसदों और सुरक्षाकर्मियों के बीच से अखिलेश यादव ने उन्हें संभालने में मदद की।

नई दिल्ली में संसद के बजट सत्र के दौरान आप सांसद संजय सिंह, कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला, दिग्विजय सिंह और अन्य।

बीजेपी पर कांग्रेस का हमला, खरगे बोले

इनके लिए महिलाएं केवल वोट बैंक-मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बुधवार को राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, 6062 शब्दों को अभिभाषण इस सरकार ने तैयार किया है। लेकिन कई अहम सवालों पर अभिभाषण मौन है। मैं सदन में सिर्फ पांच जरूरी मुद्दे आपके सामने रखना चाहूंगा। मैं सामाजिक न्याय, सामाजिक सद्भाव, संसदीय लोकतंत्र पर हमला, अर्थव्यवस्था और किसानों मजदूरों की दिक्कतें और विदेश नीति की खामियां.. पर अपनी बात रखना चाहता हूं। खरगे ने कहा, आपको यह बताना चाहता हूं कि इस सत्ता ने

कितना समय देश की भलाई के लिए दिया है। कितना समय इन्होंने देश के बाहर बिताया। यह आप सबको मालूम है। सबसे पहले मैं सामाजिक न्याय पर बात रखूंगा। पिछले 11 वर्षों में मोदी सरकार ने सामाजिक न्याय के ताने-बाने को कमजोर किया है।

सासंद की राहुल को लहजे में रहने की नसीहत

उनकी फिटनेस अच्छी है, लेकिन हाथ मेरा भी भारी-रवनीत बिट्टू

नई दिल्ली। एजेंसी

लोकसभा में लगातार हंगामे के बीच बुधवार को संसद परिसर में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और केंद्रीय राज्य मंत्री व भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद रवनीत सिंह बिट्टू के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। दोनों नेताओं ने एक दूसरे पर टिप्पणियां कीं। जहां राहुल गांधी ने रवनीत बिट्टू को गद्दार दोस्त कहा, वहीं भाजपा सासंद राहुल गांधी को 'देश का दुश्मन' बताते नजर आए। बाद में इस पूरे प्रकरण पर बात करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा, 'स्पीकर साहब तो सदन के कस्टोडियन

(संरक्षक) हैं। वह मालिक हैं, और कहां जाएगा आदमी? यहां पर अगर ये चीजें होगी और उनकी अच्छी फिटनेस है, हाथ हमारा भी भारी ही होता है, हल्का नहीं होता, लेकिन यह हमारा राजनीति में काम नहीं है। हमें जो भी बात करनी है, वह लहजे और लिहाज से करनी है, सही तरीके से करनी है। संसदीय भाषा में बात करनी चाहिए। ये लोग आज ताकत के बगैर मतलब गुंडागर्दी तक उतर आए हैं। इन्हें जनता देखेगी कि इनके साथ क्या करना है। ये करते क्या है, इनकी सोच क्या है। आज सामने आ गई। रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा,वे समझते हैं कि सबसे बड़े देशभक्त हम ही हैं। मेरे पिता जी ने शहादत दी... मेरी पार्टी में यही लड़ाई थी कि आपके लगाए आग में हमारे गुरुद्वारा में गोली चली, स्वर्ण मंदिर में। हजारों सिखों को इन्होंने निशाना बनाकर कत्ल कराया। अगर राजीव गांधी का नाम शहीद में आता है तो सरदार बेअंत सिंह भी कहना पड़ता है।

ये कैसी सजा: गरियाबंद में सहेली के गुप्तांग में डाला मिर्च पाउडर...सीने पर चढ़कर किया वार

गरियाबंद। गरियाबंद के थाना शोभा क्षेत्र के ग्राम गरीबा में बदले की आग ने इंसानियत की सारी हदें पार कर दीं। चरित्र पर कीचड़ उछालने के आरोप में दो महिलाओं ने अपनी ही सहेली की ऐसी नृशंस हत्या कर दी कि सुनकर रोंगटे खड़े हो जाएं। पुलिस के मुताबिक, सुगतिन नेताम (36 वर्ष) और ईतवारिन बाई (46 वर्ष) का कहना था कि सुमित्रा नेताम (37) गांव में उनके बारे में अपमानजनक बातें फैला रही थी। इसी रंजिश में दोनों आरोपी सुमित्रा के घर पहुंचीं। वहां पहले उसे बुरी तरह प्रताड़ित किया गया। गुप्तांग में लाल मिर्च और अन्य ज्वलनशील पदार्थ डालकर उसे तड़पाया गया।

एक साल बाद मणिपुर में लौटेगी लोकतांत्रिक सरकार

बीजेपी के खेमचंद सिंह होंगे नए मुख्यमंत्री, चुने जाएंगे 2 डिप्टी....

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी ने मणिपुर में लगभग एक वर्ष तक राष्ट्रपति शासन रहने के बाद नई सरकार के गठन की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता युमनाम खेमचंद सिंह को भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया है और उनके नेतृत्व में राज्य में नई सरकार बनाई जाएगी। इसके साथ ही मणिपुर में दो उपमुख्यमंत्री नियुक्त करने की तैयारियां भी चल रही हैं। फिलहाल उपमुख्यमंत्री पद के लिए नेमचा किपगेन का नाम सामने आया है। इसका उद्देश्य राज्य में विभिन्न समुदायों के बीच

संतुलन कायम करना माना जा रहा है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच गंभीर हिंसा हुई थी। हालात बिगड़ने पर तत्कालीन मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह को पद छोड़ना पड़ा था, जिसके बाद राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया था। भाजपा नई सरकार के जरिए राज्य में भरोसा बहाल करने की कोशिश कर रही है। युमनाम खेमचंद सिंह मैतेई समुदाय से आते हैं, जबकि नेमचा किपगेन कुकी समाज का प्रतिनिधित्व करती हैं। पार्टी के इस कदम को दोनों समुदायों के बीच विश्वास बढ़ाने की पहल के तौर पर देखा जा रहा है। इसके अलावा, एक अन्य उपमुख्यमंत्री पद नगा समुदाय को दिए जाने की भी चर्चा तेज है। माना जा रहा है कि यह पद नागा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) के किसी नेता को मिल सकता है। एनपीएफ विधानसभा में पांच विधायकों के साथ नगा समुदाय का प्रतिनिधित्व करती है।

सिर्फ नाम काटने के लिए हो रहा एसआईआर निशाने पर बंगाल

सुप्रीम कोर्ट में बोलीं ममता-व्हाट्सएप आयोग जैसा है चुनाव आयोग

नई दिल्ली/ संवाददाता

सुप्रीम कोर्ट में आज पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर सुनवाई हुई। इस दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुद वकीलों के बीच मौजूद थी। इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और विपुल एम. पंचोली की पीठ ने की। मामले की सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि उन्हें पश्चिम बंगाल के अपने दो साथी न्यायाधीशों से जानकारी मिली, जिन्होंने पास प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया समझाई और इसी समझ के आधार पर इस मुद्दे को शामिल किया गया। मामले में सीएम ममता बनर्जी का पक्ष रखने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने बताया कि न्यायालय ने पहले तार्किक विसंगतियों की सूची प्रदर्शित करने का निर्देश दिया था। मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी की कि न्यायालय को सूचित किया गया था कि सूची संचार का एकमात्र माध्यम नहीं है और संबंधित व्यक्तियों को व्यक्तिगत नोटिस भी जारी किए जा रहे हैं। अधिवक्ता श्याम दीवान ने न्यायालय से याचिकाकर्ता के संक्षिप्त नोट पर विचार करने का आग्रह किया और बताया कि इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए केवल चार दिन शेष हैं। उन्होंने कहा कि 32 लाख मतदाता सूचीबद्ध नहीं हैं, 1.36 करोड़ नाम तार्किक विसंगति सूची में हैं, और 63 लाख मामलों की सुनवाई अभी लंबित है। उन्होंने यह भी बताया कि 8,300 सूक्ष्म पर्यवेक्षकों को नियुक्त किया गया है, जो संविधान के तहत परिकल्पित श्रेणी नहीं है। दीवान ने आगे

कहा कि निवास प्रमाण पत्र, आधार और ओबीसी प्रमाण पत्र सहित कई स्वीकृत दस्तावेजों को अस्वीकार किया जा रहा है, जिससे लोगों को चार से पांच घंटे तक कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है। न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची ने टिप्पणी की कि बंगाल में श्री द्विवेदी का उच्चारण 'दिबेदी' होगा, और बताया कि बंगाली भाषा में 'वा' की ध्वनि नहीं है। मुख्य न्यायाधीश ने जवाब दिया कि कम से कम उनके नाम का उच्चारण तो सही होगा, जिस पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीच में ही टोकते हुए कहा कि ऐसा नहीं होगा। वहीं सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने बताया कि नाम संबंधी विसंगतियों के कारण सीमित समय का एक बड़ा हिस्सा बर्बाद हो रहा है और मतदाताओं को गंभीर असुविधा हो रही है। मुख्य न्यायाधीश ने भारत निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी से पूछा कि कुछ विसंगतियां स्थानीय बोलियों और उच्चारण में भिन्नता के कारण उत्पन्न होती हैं और इस तरह की समस्याएं पूरे देश में होती हैं। इस दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि वह ठोस उदाहरण दे रही हैं और प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित तस्वीरें भी दिखा सकती हैं। उन्होंने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया का उपयोग केवल नाम हटाने के लिए किया जा रहा है। उदाहरण देते हुए, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि जब कोई बेटी शादी के बाद अपने ससुराल जाती है, तो सवाल उठते हैं कि वह अपने पति का उपनाम क्यों इस्तेमाल कर रही है।

बंगाल को निशाना बनाया जा रहा, हमें न्याय नहीं मिल रहा- ममता

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अदालत को बताया कि इस अदालत के आधार कार्ड को मान्यता देने के निर्देश के बाद बंगाल के लोगों को राहत मिली है। उन्होंने बताया कि अन्य राज्यों में निवास प्रमाण पत्र और जाति प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेज स्वीकार किए जाते हैं, जबकि चुनाव की पूर्व संध्या पर केवल बंगाल को ही निशाना बनाया जा रहा है। सीएम ममता बनर्जी ने सर्वोच्च न्यायालय से कहा कि वह इसी राज्य की निवासी हैं और न्यायालय की इस दयालुता के लिए आभारी हैं। उन्होंने कहा कि जब न्याय 'बंद दरवाजों के पीछे पुकार रहा होता है', तो ऐसा लगता है कि कहीं भी न्याय नहीं मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने न्यायालय को सूचित किया कि चुनाव आयोग को छह पत्र लिखे जा चुके हैं। स्वयं को बंधुआ मजदूर बताते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वह किसी राजनीतिक दल के लिए नहीं, बल्कि एक व्यापक उद्देश्य के लिए लड़ रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

अवैध रेत उत्खनन पर की गई कार्रवाई: 02 चैन माउंटेन मशीन जब्त

जांजगीर-चांपा/ कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन में राजस्व एवं खनिज विभाग द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए ग्राम नवागांव स्थित रेत खदान क्षेत्र में जांच की गई। जिला खनिज अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान मौके पर खनिज रेत के अवैध उत्खनन एवं लोडिंग में संलिप्त 02 चैन माउंटेन मशीनें पाई गईं। चालक एवं मालिक के फरार होने के कारण दोनों मशीनों को लावारिस अवस्था में जब्त कर सील किया गया। कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण पर प्रभावी नियंतत्रण हेतु जिला स्तरीय उडनदस्ता दल द्वारा लगातार जांच कर कार्यवाही की जा रही है। खनिजो के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण करने वालो के विरूद्ध खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 से 23 (ख) के तहत कार्यवाही की जाएगी। साथ ही नियमानुसार उपरोक्त वाहनों के वाहन चालको के ड्राइविंग लाईसेंस निरस्त करने संबंधी कड़ी कार्यवाही की जावेगी।

घनश्याम गुप्ता केशरवानी वैश्य समाज बिर्रा के नगर अध्यक्ष बने

बिर्रा। जनपद पंचायत बम्हनीडीह के अंतर्गत अंचल के सबसे बड़े ग्राम पंचायत बिर्रा में केशरवानी वैश्य समाज नगर सभा बिर्रा के समस्त सामाजिक सदस्यों का आवश्यक बैठक 30 जनवरी दिन शुक्रवार को निवर्तमान अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता के भवन दीवान मोहल्ला में रखा गया था । कार्यक्रम के शुभारंभ में सर्वप्रथम उपस्थित पदाधिकारियों के द्वारा गोत्राचार्य कश्यप मुनी जी का पूजा एवं माल्यार्पण कर बैठक का शुभारंभ किया गया । जिसमें मुख्य एजेंडा के रूप में केशरवानी नगर सभा बिर्रा के नये पदाधिकारियों का चुनाव करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व अध्यक्ष राजेश गुप्ता द्वारा किया गया। नए पदाधिकारियों के चुनाव संबंधी नियमों को सभी सदस्यों को बारी-बारी से अवगत कराया गया। सभी सामाजिक सदस्यों द्वारा आपसी विचार विमर्श के उपरांत सर्व सहमति से गुप्ता जनरल स्टोर्स एवं बुक डिपो के संचालक घनश्याम गुप्ता को अध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया गया। उपाध्यक्ष केसरवानी हार्डवेयर के संचालक घनश्याम केशरवानी को बनाया गया है। इसके साथ ही महामंत्री के रूप में संजय केसरवानी तथा कोषाध्यक्ष के रूप में कृष्णकुमार केशरवानी,उपकोषाध्यक्ष अभिषेक केशरवानी को मनोनीत किया गया है। सभी मनोनीत पदाधिकारियों को पुष्प गुच्छ और तिलक लगाकर स्वागत करते हुए शुभकामनाएं दिया गया है। इस अवसर पर सदस्य के रूप में शोषक केशरवानी,फिरतुराम गुप्ता,सचिंद्र देव केशरवानी,राजेश गुप्ता ,घनश्याम केशरवानी, धनी केशरवानी ,हेमंत केशरवानी,शंकर केशरवानी, राजेंद्र गुप्ता ,पंकज केशरवानी,रामप्रकाश केशरवानी,राधेश्याम केशरवानी, राकेश केशरवानी ,संजय केसरवानी,कृष्नकुमार केशरवानी,अभिषेक केशरवानी, राजकुमार , दुर्गेश केशरवानी, बैजनाथ केशरवानी,पुष्पेंद्र केशरवानी,पंकज केशरवानी ,टिंकू केशरवानी,विवेक केशरवानी,अमित केशरवानी,शिवम केशरवानी, शुभम केशरवानी आदि के अलावा समाज के गणमान्य सदस्य गण उपस्थित थे।

पाटन थाना क्षेत्र के ग्राम सावनी में किराना दुकान में चोरी का प्रयास

पाटन। पाटन थाना क्षेत्र के ग्राम सावनी में बीती रात एक किराना दुकान में चोरी का प्रयास किए जाने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार गांव सावनी में स्कूल के सामने स्थित राजेंद्र किराना दुकान में देर रात तीन नाबालिग युवक चोरी की नीयत से घुसे थे।

घटना के दौरान ग्रामीणों की सतर्कता से एक नाबालिग युवक को मौके पर पकड़ लिया गया, जबकि उसके दो साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। पकड़े गए युवक को ग्रामीणों ने पाटन थाना पुलिस के हवाले कर दिया।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार चोरी का प्रयास कर रहे इन नाबालिगों की ग्रामीणों द्वारा पिटाई भी की गई। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि पुलिस द्वारा नहीं की गई है।

घटना की जानकारी मिलने पर किराना दुकान के संचालक राजेंद्र पाटन थाना पहुंचे और मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार नाबालिगों की तलाश शुरू कर दी है। पूरे मामले की जांच पाटन थाना पुलिस द्वारा की जा रही है।

राष्ट्रीय आविष्कार अभियान योजना के अंतर्गत भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान पुणे में सम्मिलित हुए छत्तीसगढ़ के चयनित शिक्षक

महासमुन्द जिले के बसना से उत्तरा कुमार चौधरी,बागबाहरा से मधु कुमार साहू,पिथौरा से खेमलता प्रधान,सरायपाली से लक्ष्मी नायक शामिल हुए

महासमुन्द (समय दर्शन)। राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा छत्तीसगढ़ आयुक्त किरण कौशल के मार्गदर्शन एवं डी. के.सारस्वत उपसंचालक,श्रीमती मंजू लता साहू सह संचालक व एपीसी राजेश सोनकर के मार्गदर्शन और एपीसी बसंत कुमार वर्मा के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के 100 चयनित शिक्षक 28 से 30 जनवरी तक भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान पुणे में आयोजित कार्यशाला में सहभागी बने।

महासमुंद जिले से चयनित शिक्षकों मधु कुमार साहू शा.पू.मा.शाला देवरी वि.खंड-बागबाहरा,उत्तरा कुमार चौधरी वि.खंड-बसना, श्रीमती खेमलता प्रधान पिथौरा व श्रीमती लक्ष्मी नायक सरायपाली वि.खंड ने कार्यशाला में सक्रिय भूमिका निभाई। इस अभियान के अंतर्गत साइंस सेंटर का अवलोकन, कल्पक घर के सरल प्रयोग, तारामंडल की सैर, खगोलीय पिंडों का दर्शन व ज्ञान एवं अनुसंधान केंद्रों के अवलोकन के साथ साथ वैज्ञानिकों के साथ प्रत्यक्ष संवाद शिक्षकों के लिए प्रभावशील व रोमांचक रहा।

नई शिक्षा नीति के उद्देश्यों को पूरा करने में आधुनिक शिक्षण पद्धतियों का समावेश, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ढ्ढष्टञ्ज) का बेहतर प्रयोग, बच्चों में वैज्ञानिक अवधारणा का विकास के साथ गतिविधि आधारित शिक्षण व कम लागत में शिक्षण अधिगम सामग्री निर्माण के व्यावहारिक प्रशिक्षण के साथ शिक्षा में नवाचार एवं वैज्ञानिक अनुसंधान प्रवृत्ति का विकास करने हेतु विशेष सत्रों का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर के शिक्षकों हेतु आयोजित की गई जो सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

ग्राम पंचायत नंदनी खुंदनी में अवैध कब्जों का बढ़ता जाल, शासकीय कार्यों पर मंडराया संकट

नंदनी खुंदनी / विशेष संवाददाता। दुर्ग जिले के ग्राम पंचायत नंदनी खुंदनी में आरक्षित शासकीय भूमि पर अवैध कब्जों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। जिस भूमि को ग्राम पंचायत ने भविष्य की शासकीय आवश्यकताओं–जैसे स्कूल, आंगनबाड़ी, स्वास्थ्य उपकेंद्र, सड़क, सामुदायिक भवन आदि–के लिए आरक्षित किया है, उसी पर कुछ लोगों द्वारा अवैध रूप से निर्माण कार्य कराया जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि जनप्रतिनिधियों द्वारा मना किए जाने के बावजूद निर्माण जारी है। स्थानीय लोगों के अनुसार नंदनी खुंदनी में पहले भी कई स्थानों पर अवैध कब्जा कर पक्के निर्माण किए जा चुके हैं। इससे न केवल ग्राम की नियोजित विकास प्रक्रिया प्रभावित हो रही है, बल्कि भविष्य में शासकीय कार्यों के लिए भूमि उपलब्धता भी गंभीर संकट में पड़ सकती है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो आगे चलकर या तो शासकीय योजनाएं ठप पड़ेंगी, या फिर भारी प्रशासनिक मशक्कत के बाद अवैध कब्जे हटाकर कार्य कराना पड़ेगा। ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधियों ने बताया कि आरक्षित भूमि पर निर्माण पूर्णतः नियमों के विरुद्ध है और इससे पंचायत की विकास योजनाओं पर सीधा असर पड़ेगा। उन्होंने प्रशासन से तत्काल जांच कर अवैध निर्माण रोकने, दोषियों पर कार्रवाई करने और आरक्षित भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की है।

ग्रामीणों में भी इस मुद्दे को लेकर रोष है। उनका कहना है कि यदि आज अवैध कब्जों को नहीं रोका गया तो कल पंचायत के पास शासकीय कार्यों के लिए पर्याप्त जगह नहीं बचेगी। अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर समस्या पर कब और कैसी कार्रवाई करता है।

सद्गुरू रविदास जी की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई, हिंदू जागरण मंच ने किया भव्य आयोजन

राजनांदगांव। संत शिरोमणि सद्गुरू रविदास जी की जयंती के अवसर पर हिंदू जागरण मंच द्वारा तिरंगा चौक, गंज लाइन में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन श्रद्धा, उत्साह और सामाजिक समरसता के भाव से सुसज्जित था। कार्यक्रम की शुरुआत सद्गुरू रविदास जी के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर और दीप प्रज्वलन से की गई। इस अवसर पर मंच पर उपस्थित वक्ताओं ने सद्गुरू रविदास जी के जीवन, उनके विचारों और समाज सुधार में उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने बताया कि सद्गुरू रविदास जी ने समाज में समानता, समता और मानवता का संदेश देकर एक नई दिशा दी। उनके मार्गदर्शन में समाज के भेदभाव को समाप्त कर एक सशक्त और समरस राष्ट्र का निर्माण संभव है।

हिंदू जागरण मंच के पदाधिकारियों ने अपने संबोधन में कहा कि सद्गुरू रविदास जी का जीवन आज भी समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत है और उनके विचारों को आत्मसात कर हम एक सशक्त समाज का निर्माण कर सकते हैं।

कार्यक्रम के दौरान तिरंगा चौक क्षेत्र में उल्लासपूर्ण माहौल देखने को मिला। बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, समाजसेवी और हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस भव्य आयोजन में शामिल सभी ने सद्गुरू रविदास जी के आदर्शों को जीवन में उतारने का संकल्प लिया। समारोह के अंत में प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर हिंदू जागरण मंच के जिला एवं नगर पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, जिनमें सुशील लड्ढा, सविता बोस, प्रवीण शर्मा, प्रभात गुप्ता, राजू साओ, आनंद गुप्ता, महेंद्र जंघेल, हरीश भानुशाली, हितु व्यास, गोविंद साहू, मौसमी शर्मा, राज बहादुर सिंह, आशीष तिवारी, रोहित तिवारी, मनोज गोलछा, रूपचंद सोनी, मिट्ठू खाती, टिंकू सोनी, राकेश सेन, कालु भैया प्रमुख थे।

आयोजन की सफलता में सभी कार्यकर्ताओं का सराहनीय योगदान रहा।

छ. ग. राज्य अलंकरण से सम्मानित कलाकार रोहित कोसरिया के नेतृत्व में सिरपुर महोत्सव 2026 में पंथी नृत्य की शानदार प्रस्तुति

प्रख्यात पंथी कलाकार पद्मश्री डॉ आर एस बारले के दिशा निर्देशन एवं मार्गदर्शन में किया गया पंथी नृत्य की प्रस्तुति

उक्त कार्यक्रम में प्रसिद्ध मांदर वादक जोगांस चेलक तथा गायक शैलेन्द्र देशलहरे की जोड़ी प्रमुख आकर्षक रहा

महासमुन्द (समय दर्शन)। अंतराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर सिरपुर अपनी ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक महत्ता के कारण आकर्षण का केंद्र हैं। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में महानदी के तट पर स्थित एक प्रमुख ऐतिहासिक, पुरातात्विक और सांस्कृतिक स्थल है।
सिरपुर महोत्सव 2026 में सतनामी समाज के गौरव, छत्तीसगढ़ एवं भारत के लोक संस्कृति के संरक्षक, प्रख्यात पंथी कलाकार पद्मश्री डॉ राधेश्याम बारले के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में तथा महासमुंद जिला के सुप्रसिद्ध वरिष्ठ पंथी नृत्य कलाकार रोहित कुमार कोसरिया जिसे वर्ष नवंबर 2025 में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा स्व. देवदास बंजारे स्मृति पंथी नृत्य राज्य अलंकरण सम्मान से सम्मानित किया गया है, उनके नेतृत्व में नवा बिहान लोक कला मंच पिलवापाली, बसना द्वारा सिरपुर महोत्सव में दिनांक 03 फरवरी 2026 को बहुत ही भव्य एवं आकर्षक पंथी नृत्य प्रस्तुत किया गया।
उक्त कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रसिद्ध मांदर वादक जोगांस चेलक तथा गायक शैलेन्द्र देशलहरे की जोड़ी आकर्षण का केंद्र रहा।

पुरातात्विक धरोहर स्थल सिरपुर पांचवीं से आठवीं शताब्दी के बीच दक्षिण कोसल की राजधानी रहा यह स्थान, अपनी प्राचीन ईंटों से निर्मित लक्ष्मण मंदिर, बौद्ध विहारों, और शैव-वैष्णव मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है, जो इस क्षेत्र की समृद्ध विरासत को दर्शाते हैं।

सिरपुर पर्यटन और उत्सव केंद्र के रूप में यह एक प्रमुख पर्यटन स्थल है जहाँ राज्य सरकार प्रतिवर्ष 'सिरपुर महोत्सव' का आयोजन करती है, जो महानदी के तट पर सांस्कृतिक संध्या का अनुभव प्रदान करता है।

सिरपुर महोत्सव के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए महासमुंद लोकसभा के लोकप्रिय सांसद श्रीमती रूपकुमारी एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों के हाथों सभी कलाकारों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

उक्त कार्यक्रम में महासमुंद विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा, छत्तीसगढ़ राज्य कृषि बीज एवं विकास निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर, भाजपा जिलाध्यक्ष येतराम साहू, महामंत्री जितेंद्र त्रिपाठी, बसना विधानसभा संयोजक डॉ एन के अग्रवाल,कलेक्टर विनय कुमार लंगेह,सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी रेखराज शर्मा एवं कार्यक्रम संचालक एवं प्रख्यात कलाकार सुरेन्द्र मानिकपुरी तथा

सभी विभागों के अधिकारी कर्मचारी एवं जनमानस उपस्थित रहे।

पाटन महाविद्यालय में मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

पाटन। शासकीय चंदूलाल चंद्राकर कला एवं विज्ञान महाविद्यालय पाटन मे प्राचार्य डॉ नंदा गुरवारा के मार्गदर्शन मे वनस्पति विज्ञान एवं करियर काउंसलिंग विभाग के संयुक्त तत्वाधान में सात दिवसीय मशरूम प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ नंदा गुरवारा रहे। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन प्राचार्य डॉ नंदा गुरवारा व विभागाध्यक्ष प्रवीण जैन द्वारा माँ सरस्वती की पूजा कर किया गया। उद्बोधन की कड़ी मे मुख्य अतिथि डॉ नंदा गुरवारा ने मशरूम उत्पाद के लाभ बताते हुए कहा की इसमें प्रोटीन बहुत ज्यादा मात्रा मे पाया जाता है और छात्र छात्राओं के बहुत ही पौष्टिक आहार है। मशरूम उत्पादन घर मे बडी सरलता से किया जा सकता है। साथ ही कहा की आज मशरूम प्रशिक्षण के लिए जो बीज उपयोग मे लाया जा रहा है वो उन्नत किस्म की है जो कृषि विश्वीद्यालय के सहयोग से प्राप्त हुआ । सफल आयोजन के लिए वनस्पति विभाग एवं कैरियर कौन्सिल विभाग के संयोजक प्रवीण जैन को बधाई एवं शुभकामनायें दी। मुख्य प्रशिक्षक प्रवीण जैन ने बताया की इस प्रशिक्षण का उद्देश्य, छात्र-छात्राओं को मशरूम उगाने में आने वाली स्थितियों का परीक्षण करना, एवं मशरूम निर्माण की विधि को बताना था। इस प्रशिक्षण के माध्यम से छात्र- छात्राएँ स्वरोजगार प्राप्त कर सकते हैं। महाविद्यालय के छात्रों ने मशरूम के बीज को नियंत्रित वातावरण में ऊगाने और उससे अधितकम लाभ प्राप्त करने की विधि सीखी। जानकारी देते हुए श्री प्रवीण जैन ने बताया कि मशरूम के लिए सतत निगरानी और नम तथा संतुलित तापमान की जरुरत होती है। कैरीयर मार्गदर्शन के इस कार्यक्रम में 52 छात्र-छात्राएँ सम्मीलित हुए। प्रशिक्षण सहयोगी श्री सतयेंद्र कुमार सिंह, श्री टंडन और श्री राज वर्मा थे।

भाजयुमो के जिला महामंत्री बनाये गये प्रखर, पूर्व जिला महामंत्री विक्की सलूजा के नेतृत्व में भव्य स्वागत

पिथौरा(समय दर्शन)। भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला महासमुंद के नवनियुक्त जिला महामंत्री प्रखर अग्रवाल के प्रथम पिथौरा आगमन पर भाजयुमो के पूर्व जिला महामंत्री विक्की सलूजा के नेतृत्व में स्थानीय बस स्टैंड में अभूतपूर्व स्वागत किया गया।

जैसे ही नवनियुक्त जिला महामंत्री प्रखर अग्रवाल का काफिला बस स्टैंड पहुंचा ,छोटी छोटी बालिकाओ ने तिलक लगाकर आरती उतारकर तथा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने ढोल नगाड़ो की थाप,महिलाओं की कीर्तन मंडली के साथ जोशीले गगनभेदी नारों, आतिशबाजी की गूंज के साथ फूल माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। तत्पचात यह काफिला पैदल जुलूस की शक्ल में भाजपा के वरिष्ठ नेता शंकर अग्रवाल के निवास पहुंचा, जहाँ प्रखर अग्रवाल ने शंकर अग्रवाल से आशीर्वाद लिया तथा अपनी नियुक्ति पर मुंह मीठा करवाकर,माला गमछा पहनाकर उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर शंकर अग्रवाल ने सभी कार्यकर्ता को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ता ही पार्टी संगठन की शान है ,जान है ,आप सभी युवाओं के दम पर ही 2023 में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की दमनकारी सरकार को उखाड़ फेंकने भूमिका निभाई है। चूंकि अब केंद्र में भी और राज्य में भी, दोनों जगह हमारी भाजपा की सरकार है ।

इसलिए अब युवा मोर्चा के कार्यकर्ता को प्रदेश की जनता को दोनों सरकारों की जनकल्याणकारी योजनाओं को लाभ दिलाने सरकार की योजनाओं को जन जन तक पहुँचाने का काम करना है, ताकि आने वाले कई वर्षों तक दोनों जगहों पर भाजपा की सरकार बनी रहे।

अंत में उन्होंने जिला महामंत्री प्रखर अग्रवाल को नई ज़िम्मेदारी के लिए बधाई दी और सभी को साथ लेकर चलने की बात कही। भाजयुमो के नवनियुक्त जिला महामंत्री प्रखर अग्रवाल ने सभी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि, जिला भाजपा के नेतृत्व के द्वारा मुझे जो ज़िम्मेदारी मिली है वह बड़ी ज़िम्मेदारी है मुझ जैसे छोटे से कार्यकर्ता को विश्व की सबसे बड़ी पार्टी का जिला महामंत्री बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मैं जिले के सभी वरिष्ठ नेताओं का आभार व्यक्त करता हूँ । मैं सभी को विश्वास दिलाता हूँ कि, पार्टी संगठन के द्वारा मुझे जो भी कार्य करने को कहा जाएगा मैं उसे पूरा करूँगा, सभी को साथ लेकर चलूँगा।

प्रखर अग्रवाल ने कहा कि, आज हमारे युवाओ ने मार्गदर्शक,संगठन की पाठशाला शंकर भैया से मिलकर उनका आभार व्यक्त करने पिथौरा आया था । पूर्व जिला महामंत्री विक्की सलूजा के नेतृत्व में आप सभी ने जोरदार स्वागत किया आप सभी का दिल से आभार व्यक्त करता हूँ।

इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष आशीष शर्मा,महामंत्री जतीन ठक्कर,कुलदीप अग्रवाल,दुलीकेशन साहू,भाजयुमो प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य दुर्गेश सिन्हा,विधायक प्रतिनिधि दिलीप निषाद,पार्षद संदीप सेन,पार्षद संतोष डडसेना,जिला मीडिया प्रभारी राजा खनूजा,अल्पसंख्यक मोर्चा मंडल अध्यक्ष अनूप टांडी,मोनू सलूजा,ओम निषाद,राजेश जित्तू,कुलदीप सिंह,विमलेश चौरसिया,रवि वासुदेव,जतीन प्रधान,दुर्योधन यादव,जयप्रकाश यादव,राहुल प्रधान,जितेंद्र भोई,महेंद्र बरिहा,नितेश यादव,रेशम लाल साहू,नंदकुमार प्रधान,जुगेश्वर बरिहा,देवेंद्र बरिहा,हरिराज प्रधान,जितेंद्र प्रधान,शिव दयाल साहू,उमेश पटेल,कीर्तिराम साहू,पुरुषोत्तम सिन्हा,पीयूष निषाद,मनोज साहू,विजय सिंह,आदि पटेल,अंकुर यदु, शिवा जायसवाल,नीरज अग्रवाल, सोनू पाढ़ी, नवीन ठाकुर, साहिल पटनायक,अभिनय शाह, आयुष साहू, संजीव देहरी अमन ठाकुर धीरज सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

यह योजना हमारी सरकार की जन-केंद्रित सोच का प्रतीक - श्री राजेश अग्रवाल

850 श्रद्धालुओं का जत्था अयोध्या धाम एवं काशी विश्वनाथ के दर्शन के लिए भारत गौरव स्पेशल ट्रेन से अयोध्या रवाना

रायपुर। भगवान राम की जन्मभूमि अयोध्या धाम की यात्रा को सुलभ बनाने के लिए राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत आज बिलासपुर रेलवे स्टेशन से 850 भक्तों से भरी स्पेशल ट्रेन अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई। इस यात्रा के दौरान यात्रियों को वाराणसी में काशी विश्वनाथ जी के दर्शन का विशेष लाभ भी प्रदान किया जाएगा। राज्य सरकार की इस जनकल्याणकारी पहल ने छत्तीसगढ़ वासियों की धार्मिक आस्थाओं को नई ऊंचाई प्रदान की है। श्रद्धालुओं को प्रेषित संदेश में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कटिबद्ध है। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल और आईआरसीटीसी के सहयोग से हम यात्रियों को उच्चस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं। यह हमारी सरकार की जन-केंद्रित सोच का प्रतीक है। बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर सुबह से ही भक्तिमय वातावरण छाया रहा। 'जय श्री राम' के उद्घोषों से स्टेशन गूंज रहा था। श्रद्धालुओं भजन-कीर्तन गा रहे थे। स्टेशन परिसर को फूलों, रंगोली और भगवा ध्वजों से सजाया गया था। छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड और आईआरसीटीसी के कर्मचारियों ने यात्रियों का स्वागत चाय, नाश्ता और स्मृतिचिन्ह प्रदान कर किया। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, मुंगेली जिला पंचायत अध्यक्ष श्री श्रीकांत पांडे, सभापति श्रीमती अंबालिका साहू सहित जिला प्रशासन के अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित रहे। ट्रेन में सवार श्रद्धालुओं ने बताया कि वे बेहद अच्छा अनुभव कर रहे हैं। मुंगेली की रहने वाली सुनीता बाई ने कहा कि पहली बार अयोध्या जाने का सौभाग्य मिला। राज्य सरकार की इस योजना ने सब कुछ आसान कर दिया। ट्रेन में स्वादिष्ट भोजन और राज्य सरकार की सभी तरह की व्यवस्थाएं देखकर मन प्रसन्न हो गया। काशी विश्वनाथ दर्शन का अवसर मिलना तो जैसे स्वप्न साकार हो गया है। बिलासपुर के रामेश्वर साहू ने बताया कि रेलवे स्टेशन का माहौल देखकर बहुत अच्छा लग रहा है। मुझे यह यात्रा जीवन भर याद रहेगी। यह योजना राज्य सरकार की दूरदर्शी नीति का उत्कृष्ट उदाहरण है, जो धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहित कर रही है। योजना के तहत श्रद्धालुओं को नि:शुल्क यात्रा टिकट, शाकाहारी भोजन, चिकित्सा सुविधा प्रदान किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल यात्रा का समग्र प्रबंधन कर रहा है, जबकि आईआरसीटीसी टिकटिंग, भोजन और दर्शन व्यवस्था सुनिश्चित कर रहा है।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से रोशन हुआ मनोज साहू का घर

प्राकृतिक ऊर्जा से मिली आत्मनिर्भरता, बिजली बिल में आई उल्लेखनीय कमी

रायपुर। जिले में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से नागरिकों को स्वच्छ, सस्ती एवं सतत ऊर्जा का लाभ मिल रहा है। योजना के अंतर्गत केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा उपभोक्ताओं को अधिकतम 1 लाख 8 हजार रुपये तक की सब्सिडी प्रदान की जा रही है, जिससे सोलर रूफ्टॉप प्रणाली आम नागरिकों के लिए अधिक किफायती और सुलभ बन गई है।

सोलर रूफ्टॉप से आत्मनिर्भर बना परिवार

इसी क्रम में राजनांदगांव जिला के ग्राम खैरा निवासी श्री मनोज साहू ने अपने घर की छत पर 3 किलोवॉट क्षमता का रूफ्टॉप सोलर पैनल स्थापित कराया है। सोलर पैनल लगने के बाद उनका घर अब प्राकृतिक ऊर्जा से प्रकाशित हो रहा है और पारंपरिक बिजली पर निर्भरता कम हुई है।

बिजली बिल में कमी से हो रही आर्थिक बचत

श्री मनोज साहू ने बताया कि सोलर पैनल स्थापना के बाद उनके बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी आई है, जिससे प्रतिमाह आर्थिक बचत हो रही है। उन्होंने कहा कि यह योजना न केवल पर्यावरण संरक्षण में सहायक है, बल्कि आम परिवारों के लिए आर्थिक रूप से भी लाभदायक सिद्ध हो रही है।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सार्थक पहल

श्री साहू ने कहा कि भविष्य में प्राकृतिक संसाधनों और खनिजों की सीमित उपलब्धता को देखते हुए प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अत्यंत उपयोगी और दूरदर्शी योजना है। यह योजना स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ-साथ नागरिकों को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना रही है।

योजना से बढ़ रहा स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से जिले में अधिक से अधिक नागरिक सोलर ऊर्जा को अपनाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ सतत विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने किया 'वूमेन फॉर वेटलैण्ड्स' अभियान के पोस्टर का विमोचन

रायपुर। विश्व आर्द्रभूमि दिवस के अवसर पर बीते दिनों मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री निवास में 'वुमेन फॉर वेटलैण्ड्स ' अभियान के पोस्टर का अनावरण किया,इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश में आर्द्रभूमि एवं प्राकृतिक जल-स्त्रोतों के संरक्षण हेतु चलाए जा रहे इस अभियान की सराहना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जल ही जीवन है और आर्द्रभूमियां मानव सभ्यता की अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की मातृशक्ति को इस पवित्र अभियान से जोड़ना पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रेरणादायी कदम है। मुख्यमंत्री श्री साय ने यह भी कहा कि नदियां, तालाब, कुएं, पोखर और आर्द्रभूमियां केवल जल-स्त्रोत नहीं, बल्कि जीवनदायिनी प्रकृति की पहचान हैं। इन्हें बचाना हम सभी का सामूहिक दायित्व है।

प्रज्ञा निर्वाणी चला रहीं व्यापक जन-जागरण अभियान- 'वूमेन फॉर वैटलैंड्स ' अभियान की संस्थापक एवं महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष प्रज्ञा निर्वाणी द्वारा प्रदेशभर में आर्द्रभूमि संरक्षण हेतु निरंतर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, इस अभियान के अंतर्गत तालाब, नहर, कुएं, नदियों एवं प्राकृतिक जल-स्त्रोतों के संरक्षण के लिए महिलाओं को संगठित किया जा रहा है। प्रज्ञा निर्वाणी ने मुख्यमंत्री को नवागढ़ स्थित गिधवा-परसदा-नगधा पक्षी विहार क्षेत्र को रामसर साइट घोषित करने हेतु ज्ञापन भी सौंपा, मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महिलाएं प्रकृति की प्रथम संरक्षक हैं,यदि मातृशक्ति आगे आएगी तो जल-स्त्रोतों का संरक्षण जन-आंदोलन बन जाएगा। पोस्टर अनावरण कार्यक्रम के दौरान प्रसन्ना अवस्थी, प्राची शर्मा, प्रणीता शर्मा, आरविका अवस्थी सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

आईगॉट प्लेटफॉर्म पर विभागीय नोडल अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा आज मंत्रालय, महानदी भवन, नया रायपुर स्थित पंचम तल सभागार में आईगॉट (Government Online Training) प्लेटफॉर्म पर विभागीय क्षमता निर्माण योजना (Departmental Capacity Building Plan – CBP) तैयार करने हेतु वर्चुअल हैंड होल्डिंग एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में राज्य शासन के विभिन्न विभागों के नोडल अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यशाला में नई दिल्ली स्थित क्षमता निर्माण आयोग के विशेषज्ञों द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों को CBP तैयार करने की प्रक्रिया, प्रशिक्षण आवश्यकताओं के आकलन तथा कर्मचारियों के कौशल विकास की रूपरेखा तैयार करने संबंधी प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन दिया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य राज्य के विभिन्न विभागों में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों की दक्षता एवं क्षमता वृद्धि के लिए सुव्यवस्थित प्रशिक्षण योजना तैयार करना है, जिससे शासन की कार्यप्रणाली अधिक प्रभावी एवं परिणामोन्मुखी बन सके। कार्यक्रम के दौरान विभागों के नोडल अधिकारियों को विभागीय कार्य आवंटन विवरण, ऑर्गेनोग्राम, वार्षिक प्रतिवेदन एवं संबंधित नियम/अधिनियम के आधार पर विभागीय क्षमता निर्माण योजना तैयार करने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत द्वत्ह्ज्ञ प्लेटफॉर्म के माध्यम से शासकीय सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार एवं प्रशासनिक दक्षता को सुदृढ़ करने की दिशा में यह महत्वपूर्ण पहल की गई है।

मंत्रिपरिषद के निर्णय : दिनांक - 04 फरवरी 2026

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए

रायपुर, 04 फरवरी 2026

1. मादक पदार्थों की रोकथाम की दिशा में बड़ा निर्णय लेते हुए मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रदेश के 10 जिलों में जिला स्तरीय एन्टी नारकोटिक्स टॉस्क फोर्स के गठन हेतु वित्तीय वर्ष 2025-26 के मुख्य बजट में प्रावधानित 100 नवीन पदों की स्वीकृति प्रदान की गई। इसमें रायपुर, महासमुंद, बिलासपुर, दुर्ग, बस्तर, सरगुजा, कबीरधाम, जशपुर, राजनांदगांव एवं कोरबा जिला शामिल हैं।

2. मंत्रिपरिषद की बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के मुख्य बजट में पुलिस मुख्यालय के विशेष शाखा अंतर्गत एस.ओ.जी. (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप) के गठन के लिए प्रावधानित 44 नवीन पदों की स्वीकृति प्रदान की गई है। एसओजी का काम किसी भी बड़ी या अचानक हुई घटना में तुरंत मौके पर पहुँचकर हालात को संभालना और आतंकी हमला या गंभीर खतरे को जल्दी खत्म करना होता है। एसओजी एक खास तरह की प्रशिक्षित टीम होती है, जिसे ऐसे खतरनाक कामों के लिए तैयार किया जाता है।

3. मंत्रिपरिषद द्वारा राज्य के विभिन्न एयरपोर्ट एवं हवाई पट्टियों में उड़ान प्रशिक्षण संगठन (एफ्टीओ) की स्थापना का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया तथा इसके संचालन के दिशा-निर्देशों का अनुमोदन किया गया। जिसके तहत छत्तीसगढ़ में पायलट प्रशिक्षण की सुविधा के लिए राज्य में उड़ान प्रशिक्षण संगठन की स्थापना की जाएगी। विमानन क्षेत्र में बढ़ती मांग को देखते हुए और युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए यह संस्थान उपयोगी होगा। इससे एयरक्राफ्ट रिसाइकिलिंग, हेलीकॉप्टर बंकिंग तथा एयरो स्पोर्ट्स जैसी सुविधाएं विकसित होगी। फ्लाइट ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन की स्थापना निजी सहभागिता से किया जाएगा।

4. मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ नवाचार एवं स्टार्टअप प्रोत्साहन नीति 2025-26 का अनुमोदन किया गया। इस नीति से स्टार्टअप ईको सिस्टम के साथ-साथ इन्क्यूबेटर्स एवं अन्य हितधारकों का विकास होगा। छत्तीसगढ़ को देश में एक प्रमुख नवाचार केन्द्र के रूप में विकसित किया जा सकेगा। भारत सरकार के उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग द्वारा जारी स्टेट्स स्टार्टअप रैंकिंग में सुधार होने से राज्य में निवेश का आकर्षण बढ़ेगा।

5. मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल और रायपुर विकास प्राधिकरण द्वारा बनाई गई और पूरी हो चुकी 35 आवासीय कॉलोनियों को नगर निगम और नगर पालिकाओं को सौंपने का निर्णय लिया गया है। इन कॉलोनियों में खुले भू-खंड, उद्यान और अन्य सार्वजनिक सुविधाएं शामिल होंगी। हालांकि, आवासीय, व्यावसायिक और अर्द्धसार्वजनिक बिक्री योग्य संपत्तियां इसमें शामिल नहीं होंगी।

अभी इन कॉलोनियों का हस्तांतरण नहीं होने के कारण वहां रहने वाले लोगों को कई मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। कॉलोनियों के रखरखाव के लिए निवासियों को दोहरा खर्च उठाना पड़ रहा है। एक ओर वे नगर निगम को संपत्ति कर दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर गृह निर्माण मंडल को भी रखरखाव शुल्क देना पड़ता है। इन कॉलोनियों के हस्तांतरण से नगरीय निकायों द्वारा यहां पानी, बिजली, सड़क, सफाई जैसी सुविधाएं दी जा सकेंगी और कॉलोनीवासियों को अतिरिक्त रखरखाव शुल्क से राहत मिलेगी।

6. मंत्रिपरिषद द्वारा नवा रायपुर अटल नगर में शासकीय विभागों तथा निगम मंडल के कार्यालयों के लिए नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण द्वारा एक वृहद बहुमंजिला भवन बनाने का निर्णय लिया गया है और यहां विभागों को स्पेस आबंटित किया जाएगा, ताकि भूमि का पूर्ण उपयोग किया जा सके।

7. मंत्रिपरिषद द्वारा सिरपुर एवं अरपा क्षेत्र में सुनियोजित विकास और विकास कार्यों को गति देने के लिए संबंधित क्षेत्र में शासकीय भूमि के आबंटन का अधिकार संबंधित जिले के कलेक्टर को प्रदान किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

कोटक म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया कोटक सर्विसेज फंड, सर्विसेज सेक्टर की ग्रोथ का मिलेगा फायदा

मुंबई : कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (KMAMC / कोटक म्यूचुअल फंड) ने कोटक सर्विसेज फंड लॉन्च करने की घोषणा की है। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है, जो सर्विस सेक्टर पर आधारित है। यह नया फंड ऑफर (NFO) 4 फरवरी 2026 से 18 फरवरी 2026 तक खुला रहेगा। इसके जरिए निवेशकों को भारत के मुख्य ग्रोथ इंजन यानी सर्विस सेक्टर में निवेश करने का मौका मिलेगा। सर्विस सेक्टर भारत की कुल अर्थव्यवस्था (GVA – ग्रॉस वैल्यू एडेड) में लगभग 55त्र योगदान देता है और देश की 31.5त्र आबादी को रोजगार देता है। कंज्यूमर सर्विसेज, टेलीकॉम, हेल्थकेयर, लॉजिस्टिक्स, फाइनेंशियल सर्विसेज, आईटी, पावर और ऑयल एंड गैस जैसे कई सेक्टर तेजी से बढ़ रहे हैं। इससे भारत की सर्विस आधारित अर्थव्यवस्था लगातार आगे बढ़ रही है और लंबे समय के निवेशकों के लिए कई नए विकास के मौके पैदा कर रही है। कोटक सर्विसेज फंड का लक्ष्य इन अलग-अलग अवसरों का फायदा उठाना है। इसके लिए फंड एक सख्त और सोच-समझ कर बनाई गई निवेश रणनीति अपनाएगा, जिसमें उचित कीमत पर ग्रोथ (ग्रोथ ऐट रीजनेबल प्राइस) और बॉटम-अप बीएएमवी फ्रेमवर्क (बिजनेस, मैनेजमेंट और वैल्यू) पर ध्यान दिया जाएगा। यह फंड सभी तरह की कंपनियों में निवेश करेगा (स्मॉल कैप, मिड कैप और लार्ज कैप कंपनियां), खासतौर पर उन अच्छी क्वालिटी के बिजनेस में जिनका कैश फ्लो मजबूत हो, बिजनेस मॉडल बढ़ाया जा सके, और जिनमें लंबे समय तक अच्छा रिटर्न देने की क्षमता हो। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर, निलेश शाह ने कहा कि, ÷भारत की सर्विस आधारित अर्थव्यवस्था में बड़ा बदलाव हो रहा है। यह बदलाव लोगों की बढ़ती आमदनी, डिजिटल तकनीक के ज्यादा इस्तेमाल और शहरों के तेजी से बढ़ने की वजह से आ रहा है। इन कारणों से यह बदल रहा है कि लोग चीजें कैसे खरीदते हैं, लेन-देन कैसे करते हैं और जरूरी सेवाओं का उपयोग कैसे करते हैं। कोटक सर्विसेज फंड के जरिए हमारा लक्ष्य ऐसा पोर्टफोलियो बनाना है जो भारत की सर्विस इकोनॉमी में आने वाले नए मौकों का फायदा उठा सके और निवेशकों को लंबे समय में अच्छा रिटर्न दे सके। कोटक सर्विसेज फंड के फंड मैनेजर, रोहित टंडन ने कहा कि, सर्विस सेक्टर में खर्च पर आधारित और एक्सपोर्ट पर आधारित, दोनों तरह के बिजनेस शामिल हैं, जिससे इसमें स्थिरता और ग्रोथ दोनों मिलती हैं। हमारे हिसाब से सर्विस सेक्टर भारत के बाजार में मजबूती और तेजी से बढ़ने की क्षमता का बेहतरीन मेल है। कोटक सर्विसेज फंड में हम उन कंपनियों पर अधिक ध्यान देंगे जो अपने मुनाफे को बनाए रख सकती हैं, अपने बिजनेस मॉडल को बेहतर करती रहती हैं और पैसे का सही तरीके से इस्तेमाल करती हैं। हमें भरोसा है कि ऐसी कंपनियों को सोच-समझ कर सेलेक्ट करने से निवेशकों को लंबे समय में बेहतर रिटर्न हासिल हो सकता है।

बालको मेडिकल सेंटर ने मध्य भारत में आधुनिक कैंसर केयर को बनाया सशक्त; मध्य भारत की सबसे जटिल कैंसर सर्जरियों में से एक को दिया अंजाम

नई दिल्ली: विश्व कैंसर दिवस के मौके पर भारत के अग्रणी मैटल्स, ऑयल एंड गैस, मिनरल्स, पावर एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप वेदांता लिमिटेड ने बालको मेडिकल सेंटर (बीएमसी) के माध्यम से मध्य भारत में किफ़ायती, आधुनिक एवं क्युरेटिव ओंकोलोजी केयर को सुलभ बनाकर देश में कैंसर केयर को सशक्त बनाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। गौरतलब है कि बीएमसी छत्तीसगढ़ के रायपुर में स्थित 170 बैड्स की आधुनिक ओंकोलोजी युनिट है। 'यूएन के सतत विकास लक्ष्य 3: अच्छा स्वास्थ्य एवं कल्याण' का उद्देश्य सभी के लिए स्वस्थ जीवन एवं कल्याण को सुनिश्चित करना है। इसी दृष्टिकोण के साथ बीएमसी आधुनिक डायग्नॉस्टिक एवं चिकित्सा सुविधाओं के द्वारा कैंसर केयर के अंतराल को दूर कर रहा है। 2018 में अपनी शुरूआत के बाद से यह सेंटर कैंसर के व्यापक एवं सुलभ उपचार के अग्रणी हब के रूप में उभरा है, जहां तकरीबन 65000 मरीज़ों का इलाज किया जा चुका है, 12,000 से अधिक बड़ी सर्जरियां की जा चुकी हैं और 80,000 से अधिक कीमोथेरेपी सैशन दिए जा चुके हैं। चिकित्सकीय देखभाल के दायरे से बढ़कर बीएमसी ने 500 से अधिक कम्युनिटी हेल्थ स्क्रीनिंग कैंप और कैंसर जागरुकता प्रोग्राम संचालित किए हैं। ये सभी प्रयास शहरी एवं ग्रामीण समुदायों में कैंसर की जल्द जांच और रोकथाम के लिए सेंटर की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। भारत में कैंसर का बोझ काफी अधिक है, हमारे देश में कैंसर के ज़्यादातर मामलों का निदान देरी से होता है और आधुनिक देखभाल बड़े शहरों तक ही सीमित है। ऐसे में छोटे शहरों के मरीज़ों को समय पर उपचार नहीं मिलने के कारण अक्सर अच्छे परिणाम नहीं मिल पाते। बालको मेडिकल सेंटर जैसे केन्द्र कैंसर की गुणवत्तापूर्ण देखभाल को समुदायों के करीब लाकर इस अंतर को दूर करने में मदद कर रहे हैं। इसी प्रभाव को दर्शाते हुए बालको मेडिकल सेंटर ने हाल ही में ओंकोलोजी की सबसे चुनौतीपूर्ण प्रक्रियाओं में से एक को अंजाम दिया, इसके तहत बॉर्डरलाईन रीसेक्टेबल पैनक्रियाटिक कैंसर से पीड़ित 42 वर्षीय मरीज़ में पोर्टल वेन रीसेक्शन से व्हिप्पल पैनक्रियाटिकोड्युओडेनेक्टोमी की गई। यह मुश्किल प्रक्रिया दुनिया भर में कुछ ही स्पेशलाइज़्ड सेंटरों में उपलब्ध है। विश्व कैंसर दिवस के महत्व पर बात करते हुए मिस ज्योति अग्रवाल, चेयरपर्सन, वेदांता मेडिकल रीसर्च फाउन्डेशन ने कहा, ''विश्व कैंसर दिवस हमें याद दिलाता है कि कैंसर के बोझ को कम करने के लिए जागरुकता, जल्द जांच और समय पर इलाज सबसे ज़्यादा मायने रखते हैं। बालको मेडिकल सेंटर और समुदाय पर केन्द्रित हस्तक्षेपों के माध्यम से हम कैंसर की गुणवत्तापूर्ण देखभाल को सुलभ बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। निवारक चिकित्सा सेवाओं को समुदायों तक पहुंचाकर हम अधिक स्वस्थ और प्रत्यास्थ समाज के निर्माण में योगदान देना चाहते हैं।' जल्द निदान पर सेंटर के फोकस को दोहराते हुए डॉ भावना सिरोही, मेडिकल डायरेक्टर, वेदांता मेडिकल रीसर्च फाउन्डेशन ने कहा, ''जल्द निदान और सोच-समझ कर फैसला लेने से कैंसर के परिणामों को कहीं बेहतर बनाया जा सकता है। विश्व कैंसर दिवस के मौके पर हमारे प्रयास चिकित्सकीय उत्कृष्टता एवं सामुदायिक भागीदारी पर हमारे फोकस को दर्शाते हैं। स्क्रीनिंग, जागरुकता प्रोग्रामों एवं विशेषज्ञों के साथ इंटरैक्शन के द्वारा हम लोगों को जागरुक बनाना चाहते हैं, मरीज़ों को समय पर निदान में सहयोग प्रदान कर उनके जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाना चाहते हैं।''विश्व कैंसर दिवस के मौके पर बीएमसी ने सामुदायिक संगठनों एवं शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से छत्तीसगढ़ में कई कैंसर स्क्रीनिंग कैम्प आयोजित किए, जहां लोगों को कैंसर की जल्द जांच एवं समय पर इलाज के महत्व के बारे में बताया गया। साथ ही जागरुकता बढ़ाने के लिए 'नॉलेज इज़ पावर' वेबिनार भी आयोजित की गई। लोग निवारक स्वास्थ्य को महत्व दें, इसके लिए बीएमसी ने सीमित अवधि के लिए एक ऑफर की घोषणा भी की, जिसके तहत 1-7 फरवरी 2026 के बीच लोग हेल्थ स्क्रीनिंग पैकेज पर 20 फीसदी की छूट का लाभ उठा सकते हैं। सेंटर की ऑन-ग्राउंड आउटरीच पहल के तहत तेरापंथ समाज, रायपुर में स्क्रीनिंग प्रोग्राम, रूंगटा डेंटल कॉलेज, भिलाई में एक कैम्प तथा स्टेट हैल्थ सिस्टम रिसोर्स सेंटर एवं डियर फाउन्डेशन, स्विट्ज़रजैण्ड के सहयोग से हेल्थ टॉक एवं स्क्रीनिंग कैम्प भी आयोजित किया गया।

संपादकीय

कांग्रेस की समस्या

'बचाओ' या 'वापस लाओ' जैसे नारे लोगों का ध्यान खींचने के लिहाज से हमेशा अपर्याप्त साबित हुए हैँ। कांग्रेस की समस्या यह है कि हाल-फिलहाल में वह भविष्य का कोई सपना या लोक-लुभावन कार्यक्रम पेश करने में नाकाम रही है। मजदूर अधिकार के सवाल पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कांग्रेस की सही दिशा में पहल है, बशर्ते यह मुद्दा उसकी क्षणिक चिंता बन कर ना रह जाए। कामकाजी वर्ग की बढ़ती मुश्किलें और उसके घटते अधिकार आज असल मुद्दे हैं, जिनकी मुख्यधारा राजनीति में मजबूत वकालत की जरूरत है। मनरेगा खत्म कर उसकी जगह जी राम जी कानून लागू करने के नरेंद्र मोदी सरकार के फैसले के बाद कांग्रेस ने इस पर ध्यान दिया है। चूंकि मनरेगा को कांग्रेस नेतृत्व अपनी बड़ी उपलब्धि मानता था, इसलिए उस पर हुए प्रहार से वह भी विचलित हुआ। तब पार्टी ने 'मनरेगा बचाओ' आंदोलन शुरू करने का फैसला किया। अब पार्टी उसे मजदूर अधिकार के बड़े दायरे से जोड़ने का संकेत दे रही है। इस मसले पर पार्टी समग्र सोच विकसित कर सके और उसके आधार पर संगठन एवं संघर्ष की दीर्घकालिक योजना बनाए, तो उससे कांग्रेस को आज के दौर में एक खास पहचान मिल सकती है। मगर पार्टी नेतृत्व की मुश्किल यह है कि वह संयम के साथ किसी एक मुद्दे पर नहीं टिकता। और जो भी मुद्दा वह उठाता है, उसके पीछे मकसद अपनी पूर्व सरकारों के रिकॉर्ड को मोदी सरकार से बेहतर दिखाने तक सीमित रह जाता है। राफेल से लेकर ए-2 (यानी दो घरानों की मोनोपॉली) पर आक्रामक रुख अपनाने के बाद विपक्ष के नेता राहुल गांधी जातीय जनगणना एवं 1990 के दशक के मंडल-कालीन विमर्श में जा सिमटे। उसी क्रम में 'संविधान बचाओ' का झंडा उन्होंने उठाया। फिर 'वोट चोरी' उनका पसंदीदा मसला बना। अब मनरेगा की वापसी उनका प्रिय विषय बना है। जबकि समझने की बात यह है कि 'बचाओ' या 'वापस लाओ' जैसे नारे लोगों का ध्यान खींचने के लिहाज से हमेशा अपर्याप्त साबित हुए हैँ। कांग्रेस की समस्या यह है कि हाल के दशकों में वह भविष्य का कोई सपना या लोक-लुभावन कार्यक्रम पेश करने में नाकाम रही है। ऐसे में आम जन को उसका एजेंडा नकारात्मक मालूम पड़ता है। पार्टी के मजदूर अधिकार सम्मेलन को इसी पृष्ठभूमि में देखा जाएगा। सवाल यह है कि क्या यहां से कांग्रेस कोई सकारात्मक सोच देश के सामने रख पाएगी

जी राम जी अधिनियम और लचीली एवं सतत् आजीविकाओं की दिशा में भारत की यात्रा

डॉ. विभा धवन

पिछले लगभग दो दशकों से ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम भारत की सामाजिक सुरक्षा संरचना का केंद्रीय स्तंभ रहे हैं। वर्ष 2005 में अधिनियमित महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) ने ग्रामीण परिवारों को आय सुरक्षा प्रदान की है, कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी का विस्तार किया है तथा आवश्यक सामुदायिक परिसंपत्तियों के सृजन में योगदान दिया है। जैसे-जैसे ग्रामीण भारत तीव्र आर्थिक, प्रौद्योगिक और पर्यावरणीय परिवर्तनों से गुजर रहा है, उभरती चुनौतियों और अवसरों का प्रभावी ढंग से उत्तर देने के लिए इस ढांचे को और अधिक सुदृढ़ करने की तात्कालिक आवश्यकता है। विकसित भारत-रोज़गार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) गारंटी अधिनियम, 2025 इस क्रमिक विकास को प्रतिबिंबित करता है। ग्रामीण रोजगार गारंटी ढांचे में सुधार के माध्यम से यह अधिनियम इस तथ्य को मान्यता देता है कि सतत् ग्रामीण समृद्धि केवल रोजगार सृजन पर ही नहीं, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, जलवायु जोखिमों के प्रति लचीलेपन तथा आजीविकाओं के संरक्षण पर भी आधारित होनी चाहिए। यह समेकित दृष्टिकोण ऐसे समय में अत्यंत प्रासंगिक है, जब ग्रामीण समुदाय जलवायु परिवर्तनशीलता, चरम मौसमीय घटनाओं और संसाधन दबाव के प्रति बढ़ती संवेदनशीलता का सामना कर रहे हैं।

जी राम जी अधिनियम क्यों विशिष्ट है- जी राम जी अधिनियम की एक प्रमुख विशेषता यह है कि इसमें मजदूरी आधारित रोजगार को चार प्राथमिक क्षेत्रों के साथ संरेखित करने पर विशेष बल दिया गया है—जल सुरक्षा, मूल ग्रामीण अवसंरचना, आजीविका से संबंधित अवसंरचना तथा चरम मौसमीय घटनाओं के शमन से जुड़े कार्य। यह ग्रामीण रोजगार नीति के पर्यावरणीय और लचीलापन संबंधी आयामों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जल से संबंधित कार्य, मृदा एवं भूमि संरक्षण, जल निकासी प्रणालियाँ तथा जलवायु-अनुकूल अवसंरचना कृषि उत्पादकता को बढ़ाने के साथ-साथ बाढ़, सूखा और भूमि क्षरण के प्रति संवेदनशीलता को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जब ऐसी परिसंपत्तियां प्रभावी ढंग से नियोजित तथा कार्यान्वित की जाती हैं, तो वे कई लाभ उत्पन्न करती हैं—अल्पकालिक रोजगार सृजन, प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर प्रबंधन तथा दीर्घकालिक आजीविका सुरक्षा। इन क्षेत्रों पर अधिनियम का विशेष बल इस तथ्य को रेखांकित करता है कि रोजगार कार्यक्रम एक साथ सामाजिक संरक्षण और जलवायु अनुकूलन के प्रभावी साधन के रूप में कार्य कर सकते हैं।

स्थानीय स्तर पर लचीलापन- अधिनियम की नियोजन पारिस्थितिकी—जिसका केंद्र विकसित ग्राम पंचायत योजनाएँ हैं तथा जिसमें परिसंपत्तियों को विकसित भारत राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना स्टैक के अंतर्गत एकीकृत किया गया है—ग्रामीण विकास के लिए एक सुसंगत और भविष्य के लिए तैयार दृष्टिकोण को समर्थन प्रदान करती है। विकेन्द्रीकृत नियोजन के माध्यम से पंचायतों को स्थानीय प्राथमिकताओं की पहचान करने का अवसर मिलता है, जबकि राष्ट्रीय प्लेटफार्मों के साथ एकीकरण व्यापक अवसंरचना एवं विकास उद्देश्यों के साथ समन्वय सुनिश्चित करता है। कार्यान्वयन के दृष्टिकोण से यह ढांचा रोजगार गारंटी के अंतर्गत सृजित परिसंपत्तियों की गुणवत्ता, स्थायित्व और प्रासंगिकता में सुधार का अवसर प्रदान करता है। पर्याप्त तकनीकी सहयोग और क्षमता निर्माण के माध्यम से पंचायती राज संस्थान यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं कि सार्वजनिक कार्य, संसाधन संरक्षण तथा आपदा जोखिम न्यूनीकरण में सार्थक योगदान दें।

ट्रंप-मोदी के आपसी रिश्तों पर जमी बर्फ पिघलने के द्विपक्षीय व वैश्विक मायने

कमलेश पांडे

दुनिया के दो बड़े लोकतंत्र और पहली-चौथी अर्थव्यवस्था वाले देश अमेरिका व भारत में पुन: प्रेम के पींगे परवान चढ़ने शुरू हो गए। तमाम अंतर्राष्ट्रीय व द्विपक्षीय विरोधाभासों के बीच पारस्परिक सहयोग के विभिन्न जटिल पहलुओं पर जो रजामंदी दिखाई गई और फिर यह तय हुआ कि 'धीरे धीरे प्यार को बढ़ाना है, हद से गुजर जाना है!' जिसके अपने वैश्विक निहितार्थ हैं। शायद इसी हद पर 'वसुधैव कुटुम्बकम' और 'सर्वे भवंतु सुखिन:' की गारंटी निर्भर है। ऐसे में स्वाभाविक सवाल है कि अमेरिका-भारत-यूरोपीय संघ यानी जी-7 प्रभुत्व वाले प्रेम त्रिकोण और भारत-रूस-चीन यानी ब्रिक्स देश वाले प्रेम त्रिकोण के बीच भारत कब, कैसे और कितना गुटनिरपेक्ष संतुलन बना पाएगा, अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बरकरार रख पाएगा? क्योंकि सब कुछ इन्हीं द्विपक्षीय और बहुपक्षीय बातों-मुलाकातों पर निर्भर करेगा।

इसलिए कूटनीतिक हल्के में इस बात की आशंका अभी से ही जताई जा रही है कि आखिर अमेरिका कब तक अपने इस परिवर्तित स्टैंड पर कायम रहा पाएगा? क्या भारत को हांकने या फंसाने की उसकी फितरत बदल पाएगी? और यदि नहीं तो फिर नए भारत की उस पर क्या सधी प्रतिक्रिया होगी? जैसा कि भारत ने रणनीतिक ट्रेलर अमेरिका को दिखा भी दिया है जिसकी वजह से बिगड़ैल ट्रंफ9 महीने बाद ही सही पर पुन: काबू में आए हैं। ऐसा इसलिए कि भारत के पास द्विपक्षीय विकल्पों की कमी नहीं है!

इस प्रकार देखा जाए तो डोनाल्ड ट्रंप और नरेंद्र मोदी के बीच के संबंध जो साल 2025 की गर्मियों में व्यापारिक तनाव, रूस से भारत के भरोसेमंद संबंधों और टैरिफ पर टैरिफ युद्ध के कारण ठंडे पड़ गए थे, अब फरवरी 2026 आते आते गर्म होने लगे हैं। अब इनके बीच का वासंतिक प्रेम पुन: जाग गया है और आर्थिक रुमानियत और रणनीतिक अठखेल पुन: परवान चढ़ने के संकेत मिलने लगे हैं।

जहां तक मोदी-ट्रंफ के बीच के तनाव के मुख्य कारणों की बात है तो 2025 में ट्रंप ने भारत के निर्यात पर 50त्न तक टैरिफ बढ़ा दिए, खासकर टेक्सटाइल, ऑटो पार्ट्स और जेम्स पर, जिससे द्विपक्षीय व्यापार वार्ता रुक गई। समझा जाता है कि भारत का रूस से तेल और हथियार खरीदना अमेरिका को पसंद नहीं आया, जबकि पाकिस्तान के प्रति ट्रंप का नरम रुख भी विवादास्पद रहा। वहीं, चुनावी राजनीति और अमेरिका फर्स्ट नीति ने व्यक्तिगत रसायन को प्रभावित किया। और अब जब मोदी-ट्रंप के आपसी रिश्ते पर जमी बर्फ के पिघलने की प्रक्रिया की बात हुई तो बताया गया कि ट्रंप ने सितंबर 2025 में ही मोदी की तारीफ की और रिश्तों को खास बताया, जिसका मोदी ने सोशल मीडिया पर जवाब भी दिया। भारत की चुप्पी कूटनीति और एससीओ (स्ष्टह्व) जैसे मंचों पर मजबूत स्थिति और भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) ट्रेड डील ने अमेरिका को भारत की अहमियत समझाई। लिहाजा, फरवरी 2026 में ही ट्रंप की मोदी से फोन कॉल ने जमी बर्फ को पूरी तरह पिघला दिया, जिससे ट्रेड डील की राह आसान हुई।

कहना न होगा कि भारत-अमेरिका ट्रेड डील में टैरिफ विवाद फरवरी 2026 में पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की फोन वार्ता से सुलझा। अमेरिका ने भारत पर टैरिफ 25त्न से घटाकर 18त्न कर दिया, जबकि भारत ने रूसी तेल खरीद बंद करने और अमेरिकी उत्पादों पर जीरो टैरिफ का वादा किया। इस समझौते की मुख्य शर्तें इस प्रकार हैं- ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर घोषणा की कि मोदी के अनुरोध पर तत्काल प्रभाव से रेसिप्रोकल टैरिफ कम किया गया। रूस से तेल आयात रोकना, अमेरिका/वेनेजुएला से अधिक खरीद, और नॉन-टैरिफ बैरियर्स हटाना प्रमुख रियायतें रहीं। कुल टैरिफ 50त्न से घटकर 18त्न हो गया, जिसमें रूसी तेल से जुड़ा 25त्न दंड समाप्त हुआ।

जहां तक इनको सुलझाने की प्रक्रिया की बात है तो बेहद लंबी वार्ताओं के बाद (अगस्त 2025 से जनवरी 2026 तक) फोन कॉल ने अंतिम मुहर लगाई। भारत ने कृषि, डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्र बचाए, जबकि अमेरिका को व्यापार घाटा कम करने का लाभ मिला। यह द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक ले जाने का रास्ता साफ करता है।

इस प्रकार ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए 50त्न टैरिफ (खासकर रूसी तेल खरीदने के कारण) अब पूरी तरह हटाए लिए गए हैं, क्योंकि हालिया टेलीफोनिक वार्ताओं से सकारात्मक प्रगति हुई है। सितंबर 2025 में भारत-अमेरिका के बीच 7 घंटे की बैठक के बाद चर्चाएं तेज हुईं, जहां 25त्न अतिरिक्त टैरिफ हटाने पर सहमति बनी। भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार अनंत नागेश्वरन ने कहा कि 8-10 हफ्तों में विवाद सुलझ सकता है, जिसमें रेसिप्रोकल टैरिफ भी घटेंगे। इसलिए फरवरी 2026 तक ट्रंप-मोदी फोन कॉल ने गति दी, लेकिन पूर्ण समाधान स्ष्टह्व जैसे मंचों पर निर्भर है। फिर भी चुनौतियां अभी बाकी हैं। 50त्न टैरिफ स्टील, एल्यूमीनियम, टेक्सटाइल पर अभी प्रभावी हैं, हालांकि निर्यात में 20त्न वृद्धि हुई। अमेरिकी सांसदों ने इन्हें खत्म करने की मांग की, लेकिन ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट नीति बाधा बनी हुई है।

इस प्रकार भारत अमेरिका डील के द्विपक्षीय मायने स्पष्ट हैं। भारत और अमेरिका के बीच हालिया डीलें, विशेष रूप से रक्षा और व्यापार समझौते, द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण हैं। ये डीलें रणनीतिक साझेदारी को गहरा करती हैं, भले ही टैरिफ जैसे विवाद बने रहें। खासकर रक्षा समझौते का अपना महत्व हैं। भारत-अमेरिका ने 10 साल के रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए, जो 2015 की रणनीतिक साझेदारी पर आधारित है। यह क्षेत्रीय स्थिरता, सूचना साझाकरण और हिंद-प्रशांत में चुनौतियों (जैसे चीन का प्रभाव) का सामना करने के लिए आधारशिला बनेगा। टैरिफ तनाव के बावजूद रक्षा सहयोग बढ़ रहा है। जहां तक व्यापार डील की प्रगति की बात है तो दोनों देश 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखते हैं, जिसमें हाल ही में ट्रंप ने भारत पर टैरिफ 25त्न से घटाकर 18त्न किया। जबकि, दूध, कृषि और डेटा स्थानीयकरण जैसे मुद्दों पर बातचीत जारी है, लेकिन रेसिप्रोकल टैरिफ और त्नस्क लाभ बहाली चुनौतियां बनी हुई हैं। पहला चरण सितंबर-अक्टूबर 2025 तक पूरा करने की कोशिश थी। इन बातों का द्विपक्षीय प्रभाव यह पड़ेगा कि ये डीलें आर्थिक निर्यात बढ़ावा, रोजगार सृजन और रक्षा तकनीक हस्तांतरण लाएंगी। भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं में दोनों देशों का अभिसरण मजबूत होगा, हालांकि टैरिफ और बाजार पहुंच पर असहमति बनी रहेगी। कुल मिलाकर, ये संबंधों को स्थिरता प्रदान करेंगे।

चीन के साथ भारत का रिश्ता नफरत और जरुरत का

हरिशंकर व्यास

नफरत और प्यार का रिश्ता बहुत सुना गया होगा लेकिन चीन के साथ भारत का रिश्ता नफरत और जरुरत का है। चीन से नफरत भी है और उसकी जरुरत भी है। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने राहुल गांधी के चीन के राजदूत से मिलने की घटना को आसमान टूट पड़ने जैसी घटना माना था। उसके लिए पूरी कांग्रेस पार्टी को देशद्रोही ठहराया गया। कांग्रेस पार्टी और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी यानी सीपीसी के साथ एक एमओयू साइन हुआ था, जिसे लेकर भाजपा ने बड़ा नैरेटिव खड़ा किया। लेकिन अब खुद भाजपा नेता चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के प्रतिनिधिमंडल से मिले हैं। भाजपा के विदेश प्रकोष्ठ के अध्यक्ष विजय चौथाईवाला ने यह मुलाकात तय कराई और पार्टी मुख्यालय में महासचिव अरुण सिंह के साथ दूसरे नेता सीपीसी के प्रतिनिधिमंडल से मिले।

भाजपा के नेता यह कह कर फेस सेविंग कर रहे हैं कि चीन के डेलिगेशन से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा या कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन नहीं मिले या पार्टी के दोनों सर्वोच्च नेता नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने मुलाकात नहीं की, जबकि कांग्रेस में खुद राहुल गांधी मिले थे। लेकिन यह बचाव का तर्क नही हो सकता है। जैसे ही भाजपा नेताओं से सीपीसी डिलेगेशन के मिलने की तस्वीरें सामने आईं वैसे ही सन्नाटा खींच गया। सोशल मीडिया में भाजपा का पूरा इकोसिस्टम खामोश हो गया। इस बीच दो चार लोगों ने हिम्मत करके सवाल उठाया और दबी जुबान में कहा कि यह अच्छा नहीं हुआ। भाजपा नेताओं से मुलाकात के बाद सीपीसी का डेलिगेशन आरएसएस कार्यालय में संघ के नंबर दो पदाधिकारी दत्तात्रेय होसबाले से मिला। हालांकि उसकी फोटो नहीं जारी की गई। बाद में भारत की तीनों कम्युनिस्ट पार्टियों से सीपीसी के प्रतिनिधिमंडल के मिलने की खबर भी आई।

अब सवाल है कि जिस समय चीन अरुणाचल प्रदेश में जन्मे भारतीय मूल के लोगों को अपने हवाईअड्डों पर रोक कर पासपोर्ट अवैध बता रहा है या अरुणाचल प्रदेश को भारत का अभिन्न अंग बताने वाले यूट्यूबर्स को रोक कर प्रताड़ित कर रहा है, शक्सगाम घाटी में निर्माण कार्य कर रहा है और उसे चीन का हिस्सा बता रहा है उसके प्रतिनिधिमंडल के साथ भाजपा की दोस्ती दिखाने का क्या मतलब है? सरकारी स्तर पर दोनों देशों के बीच संबंध सुधर गए हैं। मोदी और शाह ने व्यापार की खातिर गलवान घाटी में शहीद हुए 20 जवानों का घाव भुला दिए है। प्रधानमंत्री मोदी की बहुपक्षीय मंचों पर शी जिनपिंग से मुलाकात हुई है तो भारत के रक्षा और विदेश मंत्री दोनों ने चीन का दौरा किया है। लेकिन पार्टी टू पार्टी यानी भाजपा और सीपीसी के नेताओं की मुलाकात या संघ और सीपीसी की मुलाकात का क्या मतलब है? कहा जा रहा है कि एक दूसरे की कार्यप्रणाली को समझने की कोशिश इस मुलाकात का मकसद थी। जाहिर है कि चीन को भारत से लोकतांत्रिक प्रणाली सीखने में कोई दिलचस्प नहीं होगी तो क्या भारतीय जनता पार्टी यह सीखने की कोशिश कर रही थी कि भारत में भी कैसे चीन की तरह एकदलीय व्यवस्था लागू हो सकती है? चीन की कम्युनिस्ट पार्टी इसके अलावा भाजपा या किसी भी पार्टी को और क्या सीखा सकती है? वहां एकदलीय व्यवस्था है। कम्युनिस्ट पार्टी ही सरकार है और सरकारी ही पार्टी है। दूसरी बात यह है कि कोई भी नेता पार्टी और सरकार के खिलाफ नहीं बोल सकता है। सर्वोच्च नेता शी जिनपिंग हैं और उनकी हर बात का समर्थन करना सिर्फ पार्टी के नेताओं का ही नहीं, बल्कि चीन की जनता का भी पुनीत कर्तव्य है। भारत में भी पार्टी और सरकार को तो एक कर दिया गया है और यहां भी मोदी और शाह के खिलाफ बोलने को देशद्रोह माना जाने लगा है लेकिन एक बाधा विपक्ष की है। विपक्ष अब भी मजबूत है और उसके नेता भाजपा को जवाबदेह बनाने की कोशिश करते रहते हैं। तभी हो सकता है कि सीपीसी से भाजापा ने इस मामले में कुछ टिप्स लिए हों।

इस मुलाकात के कारणों पर विचार करने पर ऐसा लगता है कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के नेताओं से मिलने की मजबूरी भी हो सकती है। असल में भारत लगभग पूरी तरह से चीन पर आश्रित हो गया है। रोजमर्रा की जरुरत की चीजों से लेकर कृषि सेक्टर के उपकरणों, सेमीकंडक्टर सहित ऑटोमोबाइल सेक्टर के दूसरे कंपोनेंट, आईटी सेक्टर के उपकरण, दवाओं के लिए जरूरी कंपोनेंट आदि सब चीन से आता है। चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा 116 अरब डॉलर यानी 15 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया है। फिर भी चीन के साथ कारोबार करने की मजबूरी है। यह मजबूरी कैसी है इसे इस एक तथ्य से समझें कि भारत ने चीन के मांझे पर रोक लगाई है लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के राज्य गुजरात में मकर संक्रांति पर पतंगोत्सव के दौरान चीनी मांझे से गला कटने की वजह से नौ लोगों की मौत हो गई। सोचें, जिस पर पाबंदी है वह माल भी चीन से आ रहा है और खुलेआम भारत में बिक रहा है। अगर चीनी मांझे से गला कटने से होने वाली मौतों का देश भर का आंकड़े देखें तो गुजरात से वाराणसी तक मरने वालों की संख्या और बड़ी हो जाएगी। बहरहाल, भारत की मजबूरी है कि वह चीन के साथ अच्छे संबंध रखे अन्यथा वह रेयर अर्थ मैटेरियल देना बंद कर देगा तो भारत क्या करेगा? हो सकता है कि मुलाकात इस मजबूरी में हुई हो।

लेकिन इस मजबूरी की मुलाकात को एक दूसरा रुप भी दिया जा सकता है। इस बात की चर्चा शुरू हो गई है कि भारत ने अमेरिका को मैसेज देने के लिए चीन के प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात भाजपा और संघ के नेताओं से कराई। ध्यान रहे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस बात पर चिंता जता चुके हैं कि वे रूस और चीन के हाथों भारत को गंवा चुके हैं। इस धारणा को बदलने या ठीक करने के लिए ही भारत में नियुक्त राजदूत सर्जियो गोर ने कहा कि अमेरिका के लिए भारत से जरूरी कोई नहीं है। लेकिन जिस दिन गोर ने यह बात कही उसी दिन चीनी कम्युनिस्ट पार्टी से भाजपा नेताओं की मुलाकात की तस्वीरें आईं। यह फैक्ट है कि अमेरिका के साथ भारत की व्यापार संधि अटकी है। लेकिन क्या चीन के साथ मेल मुलाकात बढ़ा कर भारत अमेरिका को बाध्य कर पाएगा कि वह भारत की शर्तों पर व्यापार संधि करे?

आम बजट 2026-27 से होगा समावेशी विकास, विकसित बनेगा भारत

मनोज गोयल

केंद्रीय बजट भारत को 2047 तक विकसित बनाने की दिशा में अगला महत्वपूर्ण कदम प्रतीत होता है। दरअसल, केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने देश की अर्थव्यवस्था को निरंतर मजबूत बनाए रखने के लिए जो निर्णायक कदम उठाए हैं, उससे देश के विकास को रफ्तार मिलेगी। राष्ट्रवादी पार्टी भाजपा ने अमृत काल में विकसित भारत के दृष्टिगत विगत एक दशक से जारी अनवरत समावेशी विकास के तहत एनडीए सहयोगियों को भरोसे में लेकर जिस प्रकार से आम बजट 2026-27 को प्रस्तुत किया, उसमें आरएसएस की जनोन्मुखी सोच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सियासी दूरदर्शिता और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की आर्थिक शिल्पकारिता का सटीक संदेश मिलता है। इससे विगत 12 वर्षों से जारी चतुर्दिक विकास को और अधिक बढ़ावा मिलेगा, और सियासी संसारमें मजबूत भारत का डंका बजेगा। भारत अब अमेरिका और चीन से प्रतियोगिता करेगा और राष्ट्रवादी कार्यकर्ताओं के कठिन परिश्रम से अगले दशक तक उन्हें भी मात देगा। दुनियादारी के विशेषज्ञों की टिप्पणियों से भी इस बात की तस्दीक की जा सकती है।

आम बजट 2026-27 साफगोई पूर्वक प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की नीतियों और सुशासन की निरंतरता को रेखांकित करता है। यह केंद्रीय बजट भारत को 2047 तक विकसित बनाने की दिशा में अगला महत्वपूर्ण कदम प्रतीत होता है। दरअसल, केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने देश की अर्थव्यवस्था को निरंतर मजबूत बनाए रखने के लिए जो निर्णायक कदम उठाए हैं, उससे देश के विकास को रफ्तार मिलेगी। चूंकि जनता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भरोसा करती है, इसलिए उसकी समग्र बेहतरी के लिए लाया हुआ यह युवा बजट हरेक दृष्टि जनकल्याणकारी है। वर्तमान बजट में समाज के सभी वर्गों के लिए कुछ न कुछ खास जरूर है, जिससे सबका साथ, सबका विकास जैसी लोकतांत्रिक जनभावना को जनविश्वास हासिल होता है और सरकार को मजबूती मिलती है। सरकार ने कोशिश की है कि युवाओं, किसानों, महिलाओं, कामगारों, उद्यमियों और बुजुर्गों के निजी व सार्वजनिक हितों का संबर्धन होता रहे। मौजूदा बजट हमारे लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र की प्रगति करता है, देश में उत्पादन क्षमता में वृद्धि करता है, पशुपालन और मत्स्य पालन क्षेत्रों में काम करने वालों के उज्वल भविष्य को मजबूत बनाता है, नए रोजगार और कौशल बढ़ाता है, जिससे निश्चय ही विकास की गति तेज होगी। इसलिए मैं इस बजट को विकसित भारत 2047 के स्वर्णिम भविष्य के लिए तैयार युवा बजट कहूंगा। क्योंकि यह वास्तव में एक ऐसा बजट है जो भारत की जरूरत और लक्ष्य को हासिल करने की नींव रखता है।

जैसा कि हमारे दिग्गज नेताओं ने एक स्वर से कहा भी है कि यह आम बजट देश और इसकी जनता के अरमानों को पंख लगाता है, जिससे गरीब, युवा और बेरोजगार सबको आगे बढ़ने के सुनिश्चित साधन मिलते हैं। चूंकि देश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विश्वास और भरोसा करती है, इसलिए बजट का मुख्य उद्देश्य विकास और प्रगति दोनों है, क्योंकि इसमें देश और उसकी जनता की सभी जरूरतों को पूरा करने के लिए आवश्यक कदम उठाया गया है।इसके सभी प्रावधान आम जनता के लिए ही बनाए गए हैं। इसलिए आम बजट 2026-27 विकास और प्रगति पर केंद्रित बजट है। जिससे देश के लोग खुश हैं। इस बजट की सियासी आलोचना के अलावा अन्य की कोई गुंजाइश नहीं है। इससे मोदी है तो मुमकिन है, का भाव और मजबूत हुआ है।

वाकई संसद में पेश केंद्रीय बजट भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को पूरा करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण जोशीला अगला कदम है, जो गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं समेत समाज के हर वर्ग की जरूरत पूरी करता है और उनकी व्यापक भलाई सुनिश्चित करता है। यह युवा बजट पूरी तरह से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी कार्यकुशल सियासी व प्रशासनिक टीम पर लोगों के अटूट भरोसे को दिखाता है। यह इस बजट के हर पहलू में साफ दिखता है।

सच कहूं तो भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती हुई चौथी अर्थव्यवस्था है, जिसे शीघ्र ही तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के निमित्त यह बजट प्रस्तुत किया गया है। इससे देश की अर्थव्यवस्था को और अधिक बढ़ावा मिलेगा और रोजगार सृजन में तेजी आएगी। इस प्रकार यह बजट स्पष्ट रूप से भविष्य में भारत को और अधिक समृद्ध और खुशहाल बनाने के लिए सरकार के संकल्प को दर्शाता है। जब महज 12 वर्षों के भाजपा और राजग शासनकाल में भारत, अमेरिका और चीन को रणनीतिक कूटनीतिक स्वायत्तता जैसी टक्कर देने की स्थिति में पहुंच चुका है तो अगले 10 वर्षों और खासकर विकसित भारत 2047 तक भारत की अंतरराष्ट्रीय हैसियत क्या होगी, समझना मुश्किल नहीं है।

आध्यात्मिक रूप से खास माना जाता है फाल्गुन मास

फाल्गुन मास कब शुरू होगा और क्यों इसे आध्यात्मिक रूप से खास माना जाता है। हिंदू पंचांग में हर महीने का अपना अलग महत्व होता है, लेकिन फाल्गुन मास को विशेष रूप से पर्वों, भक्ति और दान-पुण्य का महीना माना जाता है। यह साल का अंतिम यानी 12वां महीना होता है। लोग इसे फागुन का महीना भी कहते हैं। द्रिक पंचांग के अनुसार, साल 2026 में फाल्गुन मास की शुरुआत 2 फरवरी से होगी और यह 3 मार्च 2026 तक चलेगा।

कब से शुरू होता है फाल्गुन मास?

हिंदू पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास माघ पूर्णिमा के अगले दिन से शुरू होता है। यह साल का अंतिम यानी 12वां महीना होता है। लोग इसे फागुन का महीना भी कहते हैं। यह महीना प्रकृति में बदलाव का संकेत भी देता है। सर्दी कम होने लगती है और वसंत ऋतु का आगमन होता है। धार्मिक दृष्टि से यह समय आत्मिक शुद्धि, भक्ति और सकारात्मक ऊर्जा के लिए बहुत शुभ माना जाता है।

फाल्गुन मास में किसकी पूजा करें?

फाल्गुन मास में श्रीकृष्ण भक्ति का विशेष महत्व बताया गया है। मान्यता है कि इस माह में उनकी पूजा से वैवाहिक जीवन में मधुरता आती है, संतान सुख की प्राप्ति होती है, ज्ञान और विवेक में वृद्धि होती है। भगवान शिव की आराधना का पर्व महाशिवरात्रि इसी मास में आती है। इस दिन शिव पूजा करने से मानसिक शांति मिलती है, नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है, जीवन में स्थिरता आती है।

चंद्रदेव की पूजा

चंद्रमा की उत्पत्ति फाल्गुन मास में हुई थी। इसलिए इस महीने चंद्रदेव की पूजा से मन की चंचलता कम होती है, मानसिक संतुलन बना रहता है।

फाल्गुन मास में दान-पुण्य का महत्व

शास्त्रों में फाल्गुन मास को दान के लिए उत्तम समय बताया गया है। इस महीने किया गया दान विशेष फल देता है।

दान में क्या देना शुभ माना जाता है?

अन्न और भोजन, वस्त्र, धन, जरूरतमंदों की सहायता करना शुभ माना गया है। मान्यता है कि इस महीने दान करने से सुख, शांति और समृद्धि का वास होता है।

फाल्गुन मास क्यों माना जाता है खास?

यह साल का अंतिम महीना है। बड़े धार्मिक पर्व इसी महीने आते हैं। पूजा, व्रत और दान तीनों का महत्व है। मन, शरीर और समाज—तीनों स्तर पर सकारात्मक प्रभाव डालता है।

अपने लुक को खास बनाएं इन लेटेस्ट रेड सूट डिजाइन

रेड कलर हमेशा से महिलाओं के फैशन में सबसे खास और पसंदीदा रंगों में से एक है। लाल कलर की सूट या ड्रेस पहनने के बाद आपने लुक की खूबसूरती और भी निखर जाती हैं। ऐसे में अगर आप भी किसी खास मौके पर पहनने के लिए रेड सूट डिजाइन खोज रही हैं तो ये आर्टिकल आपके लिए बेस्ट है। रेड सूट हर स्पेशल मौके के लिए परफेक्ट आउटफिट हो सकता है। चाहे शादी हो, त्योहार हो या कोई खास पार्टी ये आपको मॉडर्न के साथ ट्रेडिशनल लुक भी देता है। आइए देखें इस आर्टिकल में रेड सूट डिजाइन के कुछ शानदार आइडियाज जिसे आप हर अवसर पर पहन सकती हैं और अपने लुक को खास बना सकती हैं।

अनारकली रेड सूट डिजाइन

अनारकली रेड सूट डिजाइन शादी, पार्टी और फेस्टिवल के लिए सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। इसका फ्लेयर वाला लंबा कट इसे बेहद आकर्षक बनाता है।

रेड सूट सेट डिजाइन

रेड सूट सेट डिजाइन बहुत सुंदर आउटफिट है इसमें कुर्ती, पेंट/लेगिंग और दुपट्टा होता है जो लुक को कम्प्लीट करने के लिए बहुत शानदार है। आप इसे किसी भी खास अवसर पर पहनकर अपने आप को अलग लुक दे सकती हैं।

रेड शॉर्ट कुर्ती डिजाइन

अगर आप डेली वियर के लिए कुछ स्टाइलिश और कम्फर्टेबल सूट चाहती हैं, तो रेड शॉर्ट कुर्ती डिजाइन सबसे अच्छा ऑप्शन है। कॉलेज गर्ल से लेकर ऑफिस वियर तक ये रेड शॉर्ट कुर्ती सबसे बेस्ट है।

हैवी वर्क रेड सूट डिजाइन

हैवी वर्क रेड सूट डिजाइन खास मौकों के लिए सबसे बेस्ट है। इसमें स्टोन वर्क, जरी वर्क और भारी कढ़ाई होता है जो हर महिलाओं को शानदार लुक देता है।

हाथों में लगाएं सबसे खूबसूरत फ्लावर मेहंदी डिजाइन

आजकल फ्लावर मेहंदी डिजाइन सबसे ज्यादा पसंद की जा रही है क्योंकि ये डिजाइन देखने में बेहद आकर्षक, सरल और ट्रेंडिंग होती है। फूलों वाली मेहंदी डिजाइन हर महिलाओं को खूब पसंद आती है। ये हाथों के साथ पैरों पर भी लगाई जाती हैं। अगर आप भी किसी शादी या त्योहार पर हाथों में मेहंदी लगाना चाहती हैं तो इस आर्टिकल में हम आपको तरह-तरह के फूलों वाली मेहंदी डिजाइन आइडियाज के बारे में बताएंगे। ये डिजाइन हाथों पर लगाने के बाद देखने में बहुत सुंदर और एलिगेंट लगती है। आइए देखें फ्लावर मेहंदी डिजाइन के कुछ बेस्ट आइडियाज।

रोज मेहंदी डिजाइन

रोज मेहंदी डिजाइन सबसे पसंद की जाने वाली डिजाइनों में से एक है। हाथों पर लगाने के बाद ये बहुत रॉयल और क्लासी दिखाई देती है। इसे आप अपने हाथों पर लगाकर लुक को और भी आकर्षक बना सकती हैं।

लोटस मेहंदी डिजाइन

लोटस मेहंदी डिजाइन शादी और त्योहार जैसे अवसरों पर बहुत अच्छी लगती हैं। हाथों के बीच में लोटस का डिजाइन उसके चारों और बेलें और पत्तियां जोड़ने से ये मेहंदी बहुत शानदार नजर आती है।

सिंपल फ्लावर मेहंदी डिजाइन

जो महिलाएं हल्की और जल्दी बनने वाली मेहंदी पसंद करती हैं उनके लिए सिंपल फ्लावर मेहंदी डिजाइन सबसे सही है। ये डिजाइन कम समय में तैयार हो जाती है और रोजाना के छोटे फंक्शन के लिए भी परफेक्ट रहती है।

सूरजमुखी मेहंदी डिजाइन

सूरजमुखी मेहंदी डिजाइन आजकल काफी ट्रेंड में है। इसका बड़ा गोल आकार मेहंदी में बहुत यूनिक और आकर्षक लुक देता है। ये डिजाइन आप आसानी से अपने हाथों में लगा सकती हैं। इस मेहंदी में बड़े सूरजमुखी के फूलों का डिजाइन होता है जो हर आउट्फिट के साथ आपको सबसे अलग दिखाता है।

ठंड में हाथ-पैर ठंडे और नाखून नीले?

जानें कब जाना चाहिए डॉक्टर के

सर्दियों के मौसम में शरीर को गर्म रखने के लिए हमारी शारीरिक प्रणाली अतिरिक्त मेहनत करती है। ठंड के दौरान ड्राई स्किन, सर्दी-खांसी जैसी समस्याएं आम हैं, लेकिन नाखूनों का नीला पड़ना अक्सर नजरंदाज कर दिया जाता है। डॉक्टरों के अनुसार यह बदलाव मामूली भी हो सकता है और गंभीर स्वास्थ्य समस्या का संकेत भी।

ठंड लगने पर शरीर दिल और दिमाग जैसे जरूरी अंगों को गर्म रखने को प्राथमिकता देता है। इसके लिए हाथ-पैर, कान और नाक की रक्त नलिकाएं सिकुड़ जाती हैं जिसे मेडिकल भाषा में वेसोकंस्ट्रिक्शन कहा जाता है। इससे उंगलियों और नाखूनों तक ऑक्सीजन युक्त खून कम पहुंचता है और नाखून नीले या बैंगनी दिखने लगते हैं। इसे पेरिफेरल सायनोसिस कहा जाता है। आमतौर पर शरीर गर्म होते ही यह स्थिति ठीक हो जाती है।

कब हो सकती है चिंता की बात?

अधिकतर स्वस्थ लोगों में यह समस्या अस्थायी होती है। लेकिन यदि गर्म होने के बाद भी नाखून नीले रहें, तो यह चिंता का विषय हो सकता है। डॉक्टर के अनुसार, यह फेफड़ों की बीमारी, हृदय रोग, जन्मजात हार्ट डिफेक्ट या हार्ट फेल्योर का संकेत भी हो सकता है। इसके अलावा डायबिटीज, स्मोकिंग, या धमनियों के सिकुड़ने (एथेरोस्क्लेरोसिस) से भी ब्लड फ्लो प्रभावित होता है जिससे हल्की ठंड में भी नाखून नीले पड़ सकते हैं।

तुरंत डॉक्टर से मिलें अगर—

नाखूनों का रंग नीला रहने के साथ दर्द या सुन्नता हो। उंगलियों में सूजन, घाव या त्वचा में बदलाव दिखें। सांस फूलना, चक्कर या सीने में दर्द महसूस हो।

सर्दियों में नाखून और सर्कुलेशन कैसे रखें स्वस्थ?

हाथ-पैर हमेशा गर्म रखें। अचानक तेज ठंड के संपर्क से बचें। धूम्रपान छोड़ें। नियमित रूप से हल्की एक्सरसाइज करें। डायबिटीज और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखें।

फरवरी में लगाएं ये 5 फलदार पौधे

फरवरी का महीना बागवानी के लिए सही समय माना जाता है. इस समय मौसम न तो ज्यादा ठंडा होता है और न ही ज्यादा गर्म, जिससे पौधों की ग्रोथ तेजी से होती है. अगर आप अपने घर की छत, बालकनी या गार्डन में फलदार पौधे लगाना चाहते हैं, तो फरवरी सही समय है. इस महीने लगाए गए पौधे अच्छी तरह जड़ पकड़ते हैं और जल्दी फल देना शुरू कर देते हैं. आइए जानते हैं फरवरी में लगाए जाने वाले 5 बेहतरीन फलदार पौधों के बारे में. फरवरी में कौन-से फलदार पौधे लगाएं?

● **नींबू :** नींबू का पौधा इंडिया में काफी पॉपुलर है। फरवरी में इसे लगाने से पौधा जल्दी विकसित होता है और साल भर फल देता है। नींबू विटामिन C का अच्छा स्रोत है और किचन में रोजाना इस्तेमाल होता है।

● **स्ट्रॉबेरी :** स्ट्रॉबेरी ठंडे और हल्के गर्म मौसम में अच्छी तरह उगती है। फरवरी में इसे गमले या ग्रो बैग में आसानी से लगाया जा सकता है। सही देखभाल करने पर कुछ ही महीनों में मीठी और रसदार स्ट्रॉबेरी मिलने लगती है।

● **ब्लूबेरी :** ब्लूबेरी पौधा पोषक तत्वों से भरपूर फल देता है और एंटीऑक्सीडेंट का अच्छा स्रोत माना जाता है। इसे हल्की मिट्टी और अच्छी जल निकासी वाली जगह पर लगाना चाहिए। फरवरी में लगाया गया ब्लूबेरी पौधा अच्छी ग्रोथ करता है।

● **पपीता :** पपीता तेजी से बढ़ने वाला पौधा है और इसे उगाना काफी आसान होता है। फरवरी में पपीते का पौधा लगाने से यह अच्छी ग्रोथ करता है। पपीता विटामिन A और C से भरपूर होता है और पाचन के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसे धूप वाली जगह पर लगाना चाहिए और नियमित पानी देना जरूरी होता है।

● **अंजीर का पेड़ :** अंजीर का पौधा गर्म और मिडीयम जलवायु में अच्छी तरह बढ़ता है। फरवरी में इसकी रोपाई करने से पौधा मजबूत बनता है। अंजीर फाइबर और मिनरल्स से भरपूर होता है और सेहत के लिए बेहद लाभकारी माना जाता है।

अगर आप अपने घर में ताजे और ऑर्गेनिक फल उगाना चाहते हैं, तो फरवरी में इन पौधों की रोपाई जरूर करें. सही देखभाल और नियमित पानी देने से ये पौधे जल्दी फल देने लगते हैं.

पंचाह्निका तपोत्सव की गौरवशाली परंपरा

जैन धर्म की तप, त्याग और संयम की गौरवशाली परंपरा को उजागर करती एक अत्यंत पावन धार्मिक घटना के रूप में रामनगर, साबरमती स्थित श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ जिनालय के पार्श्वनाथ आराधना भवन में पंचाह्निका तपोत्सव का भव्य आयोजन किया गया।

यह तपोत्सव 108 फुट के आदिनाथ दादा के प्रेरक, जंबूद्वीप, नागेश्वर, मांडवगढ़ एवं माणिभद्र तीर्थों के उद्धारक व मार्गदर्शक गुरुदेव प.पू. आ. भ. श्री अशोकसागर सूरीश्वरजी म.सा. के पावन सान्निध्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर कार्यदक्ष एवं विनयी प.पू. आ. म. श्री सौम्यचंद्रसागर सूरीश्वरजी म.सा., वर्धमान तप के आराधक प.पू. आ. म. श्री विवेकचंद्रसागर सूरीश्वरजी म.सा., प्रवर्तक प.पू. श्री धैर्यचंद्रसागरजी म.सा. तथा प.पू. सा. श्री वसंतप्रभाश्रीजी म.सा. की शिष्या, भीष्म तपस्विनी प.पू. सा. श्री गिरांशु श्रीजी म.सा. की दिव्य तपशक्ति से वर्धमान तप की 100वीं ओली की पूर्णता का मंगल अवसर मनाया गया। इस पावन प्रसंग पर पारणा श्री जैन धार्मिक शिक्षण संघ के उपप्रमुख ट्रस्टी श्री संजय जीवनलाल शाह एवं महिला विभाग की उपप्रमुख श्रीमती अल्पा संजय शाह के वरद हस्तों से संपन्न हुआ।

यह शुभ अवसर 01 फरवरी 2026 (रविवार) को श्रद्धा एवं भक्ति भाव से मनाया गया। अल्पायु से आरंभ की गई कठोर तपश्चर्या, अखंड आराधना एवं संयममय जीवन के माध्यम से तपस्विनी श्री का जीवन आज समाज के लिए प्रेरणा का जीवंत प्रतीक बन चुका है। पंचाह्निका तपोत्सव के दौरान तपवंदना, अनुमोदना, विनंती, श्रमण–श्रमणियों का वंदन, पाँच छोड़े का उद्यापन सहित विविध तप आराधनाओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अनेक साधु-साध्वी भगवंतों की पावन उपस्थिति से संपूर्ण वातावरण भक्ति, साधना और आत्मशुद्धि के भावों से ओत-प्रोत हो गया। तपस्विनी श्री द्वारा संपन्न 108 उपवास गुणसंवरण, 7400 दीर्घ आयंबिल, 18 मासक्षमण एवं अन्य दुर्लभ तपश्चर्याओं ने जैन समाज में तप-महिमा, संयम और आध्यात्मिक उन्नति के मूल्यों को और अधिक सुदृढ़ किया है। साथ ही प.पू. सा. श्री गिरांशु म.सा. की वाक्पटुता एवं प्रवचन प्रभाव ने समाज में धर्मजागृति को नई दिशा प्रदान की है।

इस पावन अवसर पर साबरमती संघ अध्यक्ष श्री जयंतिभाई संघवी (रत्नमणि), धर्मे ट्रस्ट के ट्रस्टी श्री धर्मेशभाई शाक, श्री जशवंतलाल नेमचंद शाह सहित अनेक साधु-साध्वी, जैन ट्रस्टी, संघ पदाधिकारी, धर्मप्रेमी महानुभाव एवं संस्था सदस्य उपस्थित रहे। हजारों की संख्या में श्रावक-श्राविकाओं की उपस्थिति से यह तपोत्सव अत्यंत भव्य एवं स्मरणीय बना।

कई समस्याओं का समाधान है तुलसी का पानी

तुलसी का पौधा ज्यादातर घरों में मिलता है। औषधीय गुणों से भरपूर तुलसी का धार्मिक रूप से भी काफी महत्व है। तुलसी का सेवन कई तरह से किया जा सकता है। जैसे इसके पत्तों को चबाकर या फिर इन पत्तों को उबालकर। हालांकि तुलसी के पानी सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद होती है। अब जानते हैं रोजाना तुलसी के पत्ते का पानी पीने से क्या फायदे होते हैं।

दिल का रखे ख्याल

तुलसी दिल को स्वस्थ बनाए रखने का कारगर उपाय है। नियमित रूप से इसके पानी का सेवन करने से हार्ट अटैक जैसी गंभीर बीमारी का खतरा कम हो जाता है।

पाचन करे दुरुस्त

तुलसी के पानी का सेवन करने से पाचन तंत्र सही रहता है। इससे गैस जैसी समस्या से काफी हद तक राहत मिलती है।

सर्दी-खांसी में राहत

तुलसी के पत्ते संक्रमण से लड़ने में मदद करते हैं। नियमित रूप से तुलसी का पानी पीने से सर्दी, खांसी और गले की सूजन से काफी हद तक राहत मिलती है।

तनाव करे कम

तुलसी तनाव और चिंता को कम करने में बहुत मददगार साबित हो सकती है। नियमित रूप से इसका सेवन करने से माइंड और बॉडी रिलेक्स रहता है।

डिटॉक्स में सहायक

अगर आप खाली पेट में तुलसी का पानी पीते हैं तो शरीर से टॉक्सिक पदार्थों को बाहर निकालने में मदद मिलती है।

ऐसे बनाएं तुलसी का पानी

- इसका पानी बनाने के लिए पहले तुलसी के पत्तों को अच्छे से धो लें।
- एक पतीले में 2 कप पानी में तुलसी की पत्तियों को 10 मिनट उबाल लें।
- अब इस पानी को एक कप में छान कर पी लें।

संक्षिप्त समाचार

शासकीय महाविद्यालय बसना में एड्स जागरूकता पर कार्यक्रम

एड्स जागरूकता पर पोस्टर व रंगोली प्रतियोगिता

बसना (समय दर्शन)। स्वर्गीय श्री जयदेव सतपथी शासकीय महाविद्यालय बसना में डॉ.एस के साव के मार्गदर्शन एवं रेड रिबन क्लब के प्रभारी गीतिका प्रधान के तत्वाधान में एचआईवी एड्स जागरूकता विषय पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं ने पोस्टर, रंगोली, नारा लेखन के माध्यम से सामाजिक भ्रांतियां को दूर करने और जागरूकता बढ़ावा देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम अधिकारी ने अपने संबोधन में एचआईवी एवं एड्स के कारण, संक्रमण के तरीके, रोकथाम के उपाय तथा समाज में फैले भ्रांतियों को दूर करने पर जोर दिया। प्रतिभागियों द्वारा बनाए गए पोस्टर में सुरक्षित व्यवहार, जागरूकता ही बचाव,भ्रांतियो से दूरी,पीड़ित व्यक्ति के प्रति संवेदनशीलता जैसे महत्वपूर्ण संदेश प्रभावी रूप से प्रस्तुत किए गए।इस कार्यक्रम के अंतर्गत पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम प्रीति देवांगन बी.एस.सी. तृतीय वर्ष, द्वितीय पूर्वी नायक बी.एस.सी.सेकंड सेमेस्टर, डलेश्वरी साव एम.एस.सी.चतुर्थ सेमेस्टर,तृतीय कविता जगत बी.एस.सी. तृतीय वर्ष नारा लेखन में प्रथम गायत्री प्रधान बी.एस.सी. तृतीय वर्ष , द्वितीय प्रीति देवांगन बी.एस.सी.तृतीय वर्ष , तृतीय पायल केवर्त,बी.एस.सी. सेकंड सेमेस्टर ,कल्याणी राजपूत बी.एस.सी.चतुर्थ सेमेस्टर, रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम नेहा पटेल बी.एस.सी.फाइनल, द्वितीय चिराग राजपूत बीकॉम सेकंड सेमेस्टर , गरिमा प्रधान बी.एस.सी.फाइनल, तृतीय गायत्री प्रधान बी.एस.सी.तृतीय वर्ष ,गिरजा पटेल बी.एस.सी.तृतीय वर्ष ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

आंध्र प्रदेश में क्रोमबुक खरीद पर सवाल: GeM ने जताई चिंता, सार्वजनिक धन के नुकसान की आशंका

नई दिल्ली: आंध्र प्रदेश में भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित एक स्कूल आईटी खरीद परियोजना को लेकर गंभीर चिंताएँ सामने आई हैं। दस्तावेज़ों से संकेत मिलता है कि क्रोमबुक खरीद के लिए जारी टेंडर प्रक्रिया को चुनिंदा बोलीदाताओं को लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से संरचित और संशोधित किया गया हो सकता है, जिससे सरकारी खजाने को भारी नुकसान की आशंका जताई जा रही है। यह मामला शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित प्रोजेक्ट अप्रूवल बोर्ड (PAB) योजना के तहत सरकारी स्कूलों के लिए 51,885 क्रोमबुक की खरीद से जुड़ा है। यह ई-टेंडर एपी समग्र शिक्षा सोसाइटी (APSSS) के राज्य परियोजना निदेशक द्वारा जारी किया गया था, जिसकी अंतिम तिथि 24 जनवरी थी। टेंडर दस्तावेज़, संशोधन (कोरिजेंडम), आधिकारिक जवाब, उद्योग प्रतिनिधित्व और भारत सरकार की सलाहों की समीक्षा में कई चेतावनी संकेत सामने आए हैं, जो बताते हैं कि प्रतिस्पर्धा, गुणवत्ता सुरक्षा और लागत-प्रभावशीलता के सिद्धांतों से समझौता किया गया हो सकता है।

GeM ने बताई प्रतिबंधात्मक शर्तें- एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (GeM)—जो कि केंद्र सरकार का आधिकारिक खरीद प्लेटफॉर्म है—ने औपचारिक रूप से यह संकेत दिया कि टेंडर में EPEAT Gold, TCO, FCC, Energy Star और MIL-STD-810H जैसे कई विदेशी प्रमाणपत्र अनिवार्य किए गए हैं। लद्दरू ने चेतावनी दी कि ये शर्तें संभवत: प्रतिबंधात्मक हैं और MeitY/DPIIT/PPP-MII मानकों से परे हैं, जिससे प्रतिस्पर्धा सीमित हो सकती है।

ओप्पो ने सिग्नेचर रेनो 15 सीरीज़ का अनुभव और ज्यादा यूज़र्स तक पहुँचाने के लिए रेनो 15सी पेश किया

नई दिल्ली: ओप्पो इंडिया ने रेनो 15 सीरीज़ का विस्तार करते हुए ओप्पो रेनो 15सी का लॉन्च किया है। यह स्मार्टफोन रेनो का अनुभव और अधिक ग्राहकों तक पहुँचाने के लिए बनाया गया है, जो ट्रैवलर्स, क्रिएटर्स और फोटोग्राफी प्रेमियों को स्मार्टफोन का शानदार अनुभव प्रदान करेगा। रेनो 15सी में रिफाईड डिज़ाईन, लंबी चलने वाली बैटरी और इंटैलिजेंट ए.आई फीचर्स के साथ रेनो सीरीज़ की मुख्य विशेषताएं मौजूद हैं, जो और अधिक किफायती मूल्य में उपलब्ध हो रही हैं। रेनो 15सी भारत में 5 फरवरी, 2026 से आफ्टरग्लो पिंक और ट्वाईलाईट ब्लू कलर्स में मिलना शुरू होगा। रेनो 15सी में 7000एम.ए.एच की शक्तिशाली बैटरी के साथ 80वॉट की सुपरवूक फास्ट चार्जिंग दी गई है। यह स्मार्टफोन इमर्सिव एमोलेड डिस्प्ले के साथ भरोसेमंद परफॉर्मेंस और शानदार ड्यूरेबिलिटी प्रदान करता है। कलरओएस 16 के साथ यह स्मार्टफोन गतिशील रहने वाले ग्राहकों के लिए बहुत ही भरोसेमंद है।

प्रीमियम डिज़ाईन के साथ स्लिम और लाईटवेट स्मार्टफोन- रेनो 15सी में ओप्पो ने अपना कोरल फ्लीस-लाईक स्किन-फ्रेंडली वैलवेट टैक्सचर पैनल दिया है, जो सॉफ्ट मैट फिनिश के साथ हाथों में बहुत अच्छा महसूस होता है और इस पर उंगलियों के निशान भी नहीं पड़ते हैं।

वीर शहीदों के नाम महारक्तदान शिविर का आयोजन, 80 से अधिक रक्तवीरों ने किया रक्तदान

राजनांदगांव। शिव शक्ति धर्मार्थ सार्वजनिक सेवा समिति दीनदयाल चिखली एवं अखिल भारतीय हिंदू महासभा (भारत) के तत्वावधान में 1 फरवरी 2026 को वीर शहीदों के नाम एक महारक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर शिव शक्ति मंदिर परिसर, पं. दीनदयाल उपाध्याय कॉलोनी, चिखलीए राजनांदगांव में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. नीरज ए. पांडे (राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव), अंजनी शर्मा (संरक्षक), खरानंद मिश्रा (संरक्षक), धीरज शर्मा (प्रदेश उपाध्यक्ष) सहित अखिल भारतीय हिंदू महासभा के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विशिष्ट अतिथियों में महापौर मधुसूदन यादव, पार्षद शिव वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर, नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन, थाना प्रभारी मनोहर मरई (चिखली), टीआई अरुण नामदेव (सोमनी थाना) सहित बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी एवं बल मौजूद रहा। इसके अलावा संजीवनी हॉस्पिटल संचालक डॉ. राघव वर्मा, पूर्व सरपंच राजेश्वरी साहू, जिला उपाध्यक्ष महेश्वर साहू, समाजसेवी ललित नायडू व देवेश वैष्णव, पूर्व जनपद सदस्य भुनेश्वरी साहू महेश्वर साहू जिला उपाध्यक्ष डोंगरगांव, ललित नायडू समाजसेवी, देवेश वैष्णव समाजसेवी, श्रीमती भुनेश्वरी साहू पूर्व जनपद सदस्य, देवाशीष झा वरिष्ठ पत्रकार, सन्नी वर्मा वरिष्ठ पत्रकार, लोकेश रजक पत्रकार विजन न्यूज, श्री तुलसी पत्रकार सी न्यूज, राजेंद्र राजपूत हिन्दू सभा जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

शिविर में राजनांदगांव एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष रक्तदाताओं ने सहभागिता की। रक्तदाताओं के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई, वहीं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए निःशुल्क हेलमेट वितरण भी किया गया। सभी रक्तवीरों को रक्तदान प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए।

कीर्ति क्लीनिक चिखली एवं डॉ. गिरीश साहू के संरक्षण में रक्तदाताओं की रक्तचाप, शुगर, वजन सहित स्वास्थ्य जांच निःशुल्क की गई। आयोजन में नांदगांव ब्लड बैंक की अहम भूमिका रही। मुख्य संयोजन में चंद्रहास शर्मा एवं उनकी पूरी टीम का विशेष योगदान रहा।

जिला अध्यक्ष अवितेश सोनी एवं जिला मीडिया प्रभारी शेखर ठाकुर ने रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है, जिससे अनेक जरूरतमंदों की जान बचाई जा सकती है।

कार्यक्रम में 80 से अधिक महिला एवं पुरुषों ने रक्तदान कर आयोजन को सफल बनाया। सभी अतिथियों के उद्बोधन के पश्चात सामूहिक भोजन का आयोजन किया गया, जिसकी समाप्ति सायं 5 बजे हुई।

आयोजन के अंत में यह संकल्प लिया गया कि भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाएंगे। उपस्थित गणमान्य नागरिकों ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे उत्कृष्ट एवं सफल बताया।

फाइलेरिया उन्मूलन हेतु सामूहिक दवा सेवन अभियान 10 से 25 फरवरी तक

कलेक्टर ने आमजनों से की दवाई का सेवन अवश्य करने की अपील

मुंगेली(समय दर्शन) फाइलेरिया (हाथी पांव) जैसी गंभीर बीमारी से बचाव एवं नियंत्रण के लिए जिले में 10 फरवरी से 25 फरवरी तक सामूहिक दवा सेवन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य जिले को फाइलेरिया मुक्त बनाना तथा आमजन को इस रोग के प्रति जागरूक करना है। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने जिला पंचायत में आयोजित बैठक में संबंधित सभी विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर शत-प्रतिशत हितग्राहियों को दवा सेवन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने आमजनों से फाइलेरिया की दवाई का सेवन अवश्य करने की अपील की है। साथ ही अफवाहों से बचने तथा अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने का भी संदेश दिया।

संकुल समन्वयकों को दिया गया प्रशिक्षण- मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा ने बताया कि अभियान अंतर्गत 02 वर्ष से कम आयु के बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को छोड़कर सभी नागरिकों को फाइलेरिया रोधी दवा एवं कृमिनाशक दवा का सेवन कराया जाएगा। अभियान के संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में संकुल समन्वयकों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा 10 से 12 फरवरी तक स्कूलों, महाविद्यालयों, आंगनबाड़ियों आदि शैक्षणिक संस्थानों में दवा सेवन कराया जाएगा। 13 से 22 फरवरी तक घर-घर जाकर तथा 23 से 25 फरवरी तक छूटे हुए लोगों को माप अप राउंड अंतर्गत दवा सेवन कराया जाएगा। साथ ही 10 फरवरी से 25 फरवरी तक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं अन्य निजी चिकित्सालयों में ओपीडी के पास एमडीए कॉर्नर स्थापित कर दवा सेवन कराया जाएगा।

रोग का प्रसार एवं लक्षण- डीपीएम गिरीश कुर्रे ने बताया कि हाथीपांव (फाइलेरिया) रोग क्युलेक्स मच्छरों के काटने से होता है। जब ये मच्छर हाथीपांव के रोगी को काटते हैं, तो इस बीमारी के रोगाणु मच्छर के पेट में जाकर पनपते हैं। यही मच्छर कुछ दिनों बाद किसी स्वस्थ व्यक्ति को काटते हैं, तो ये रोगाणु स्वस्थ व्यक्ति के लसिका ग्रंथि में पहुंच जाते हैं और इस प्रकार हाथीपांव की बीमारी हो सकती है। यह बीमारी किसी को भी हो सकती है। इसके लक्षण मच्छर के काटने के कई वर्ष बाद प्रकट होते हैं, जिसमें बुखार आता है तथा पांव या अंडकोष में सूजन तथा महिलाओं में स्तनों में सूजन आ जाती है। क्युलेक्स मच्छर गंदे पानी में पैदा होते हैं और पनपते हैं।

भगवान श्रीराम का जीवन हर पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है – कीर्ति नायक

ग्राम सेलूद में तीन दिवसीय मानस गान प्रतियोगिता सम्पन्न, जनपद अध्यक्ष रहीं विशेष अतिथि

पाटन। विकासखंड पाटन के ग्राम सेलूद में आयोजित तीन दिवसीय सस्वर मानस गान प्रतियोगिता भक्ति, श्रद्धा एवं सांस्कृतिक चेतना के वातावरण में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस अवसर पर जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुईं।

कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में श्रीमती कीर्ति नायक ने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन हर पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने भगवान श्रीरामचंद्र जी के विचारों, आदर्शों, मर्यादा, सत्य और कर्तव्यनिष्ठा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम का जीवन आज भी समाज को सही दिशा दिखाने का कार्य करता है। उन्होंने रामचरितमानस के संदेशों को आत्मसात कर उन्हें जीवन में उतारने का आह्वान किया।

इस अवसर पर श्रीमती नायक ने इस पुनीत धार्मिक आयोजन के सफल आयोजन हेतु समस्त ग्रामवासियों एवं आयोजक समिति को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं। साथ ही उन्होंने क्षेत्रवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की मंगलकामना करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज में आपसी सद्भाव, सांस्कृतिक एकता और आध्यात्मिक चेतना को सशक्त करते हैं।

कार्यक्रम में खिलेश मारकंडे (सरपंच, सेलूद), पूर्व सरपंच खेमिन साहू, राकेश साहू, अशोक यादव, कृष्णकुमार साहू, रमेश देवांगन, संतराम यादव, नीतीश यादव, संजय यादव, अनिल बनपेला सहित मानस मंडली के कलाकार, बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

ढाबों में शोषण पर श्रम विभाग का मौन

बिलासपुर (समय दर्शन)। एक समय था जब बाल श्रमिक को से काम करना दुकानदारों को सिर दर्द लगता था। डरते थे कानून कड़ा था। फिर सरकार ने आयु की छूट दी अब तो बिलासपुर रायपुर रोड के ढाबों में कम आयु के श्रमिक की बाढ़ है और सब ढाबा मालिक के रिश्तेदार हैं। ये दो तर्क कानून से बचाव का रास्ता है श्रमिक यदि गरीब परिवार से है तो और अच्छा यदि कोई दुर्घटना हो भी गई तो इलाज का वादा और थोड़ी सी राशि श्रमिक के अभिभावक को मुंह बंद रखने के लिए एक ऐसी ही घटना भोजपुरी टोल प्लाजा के पास एक ढाबे में हुई पूरा मामला बिलासपुर जिला के क्षेत्राधिकार अंतर्गत आता है। थाना क्षेत्र हिर्री है दुर्घटना में घायल का इलाज बिलासपुर के एक बर्न अस्पताल में चल रहा है।

दिन प्रतिदिन बीतता जाता है ढाबों पर श्रम विभाग के किसी कर्मचारी के पर ही नहीं पड़ते हैं। इतना ही नहीं जो ढाबे

फाईल फोटो

रेस्टोरेंट स्तर पर बदलकर बड़े हो गए उनमें एक दर्जन से अधिक महिला स्टाफ काम करती है पर श्रम विभाग को इन कर्मचारियों की कोई जानकारी नहीं है। नई गाइडलाइन के अनुसार इन ढाबों में कोई समिति भी नहीं बनी अगर मामले को मानव श्रम से हटकर फूड लाइसेंस और खाने की गुणवत्ता, मात्रा और कीमत के दायरे में लाया जाए और ढाबों में सैंपल एकत्र किया जाए तो दर्जनों ढाबों के प्रकरण कोर्ट में नजर आएंगे। कई की खाद्य सामग्रियां मिलावट से भरपूर स्तरहीन पाई जाएगी। यह बात बिलासपुर के आसपास किसी भी रोड पर संचालित धब्बों की है। महिला श्रमिकों को भी न्यूनतम दर से पेमेंट नहीं किया जाता।

शासकीय मुद्रणालय में कार्यरत अरूण उपाध्याय को भावभीनी विदाई

राजनांदगांव। गत शनिवार, 31 जनवरी को स्थानीय शासकीय क्षेत्रीय मुद्रणालय में कार्यरत कर्मचारी की सेवानिवृत्ति पर साथियों ने भावभीनी बिदाई दी। छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के दुर्ग संभाग के अध्यक्ष व जिला शाखा इकाई के सचिव तथा विभागीय उप समिति के जिला संयोजक आनन्दकुमार श्रीवास्तव ने बताया कि 62 वर्ष की अपनी अधिवार्षिकी सेवा अवधि पूर्ण कर मुद्रणालय के वरिष्ठ पुस्तबंधक अरूण उपाध्याय सेवानिवृत्त हुए। प्रधान कार्यालय से मुद्रणालय में निरीक्षण हेतु प्रवास पर आए उच्चाधिकारी माननीय संचालक अरविंद कुमार एक्का ने सफलतापूर्वक अधिवार्षिकी सेवा अवधि पूर्ण कर सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारी के सुखमय भविष्य की कामना करते हुए अपनी शुभकामनाएं प्रदान कीं।

इस अवसर पर मुद्रणालय के

समस्त कर्मचारी साथियों ने उनके सम्मान में आयोजित बिदाई कार्यक्रम में एकजुटता के साथ गुलाल से तिलक कर भावभीनी बिदाई दी। अधिदर्शक ईन्दरकुमार सिंह व मुख्य लिपिक श्रीमती अनिता राऊत के कर-कमलों से समस्त कर्मचारियों ने सेवानिवृत्त वरिष्ठ कर्मचारी का गुलाल से तिलकाभिषेक करते हुए पुष्पहार व पुष्पगुच्छ से स्वागत कर शाल व श्रीफल भेंट किया व यात्री बैग, स्टील की पानी टंकी, दीवार घड़ी, स्मृति चिह्न व मान पत्र प्रदान किया गया।

वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारी अरूण उपाध्याय के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला तथा उनके भावी सुखद व सुदीर्घायु जीवन की कामना की। कार्यक्रम के अंत में स्वल्पाहार की व्यवस्था रखी गयी थीं। कार्यक्रम का संचालन कर रहे आनन्द कुमार श्रीवास्तव ने अंत में समस्त साथियों का आभार प्रदर्शन किया।

यूथ क्लब ने स्व. ए. आर. देवांगन स्मृति प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया

राजनांदगांव। जिला हॉकी संघ राजनांदगांव और सीनियर मॉर्निंग ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में स्व. ए.आर. देवांगन स्मृति 7 ए साइड हॉकी प्रतियोगिता फाइनल मैच व समापन समारोह मधुसूदन यादव महापौर नगर पालिक निगम के मुख्य आतिथ्य में सुमित भाटिया अध्यक्ष उत्तर मंडल, प्रशांत गुप्ता गोलू अध्यक्ष दक्षिण मंडल, प्रखर श्रीवास्तव अध्यक्ष जिला भाजपा युवा मोर्चा, हेतल भोजानी उपाध्यक्ष उत्तर मंडल के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ। अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में 28 जनवरी से खेली जा रही स्व. ए.आर. देवांगन स्मृति हॉकी प्रतियोगिता का आज फाइनल मैच में यूथ क्लब ने एमसी इलेवन को 4-1 गोल से पराजित कर फाइनल का खिताब अपने नाम किया।

पुरस्कार वितरण करते मधुसूदन यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिता का आयोजन अत्यंत हर्ष का विषय है। आज मैदान में वरिष्ठ खिलाड़ी जिस उत्साह और कौशल के साथ हॉकी खेलते नजर आ रहे हैं, वह अत्यंत सराहनीय है। यह हमारे राजनांदगांव के लिए एक शुभ संकेत है, क्योंकि राजनांदगांव को हॉकी की नर्सरी कहा जाता है, और यह परंपरा आज भी इन सीनियर खिलाड़ियों के माध्यम से जीवंत बनी हुई है।

ये खिलाड़ी आज भी मैदान में सक्रिय रहकर आने वाली पीढ़ी को प्रेरणा दे रहे हैं। मैं इस सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं।

फाइनल मैच में यूथ क्लब ने एमसी इलेवन को पेनल्टी स्ट्रोक में 4-1 गोल से पराजित किया। फाइनल मैच बहुत ही रोमांचकारी रहा इस मुकाबले में दोनों ही टीम गोल करने के प्रयास करती रही, किंतु मैच के पहले मटर तक दोनों ही टीम एक भी गोल नहीं कर पाई थी। मैच के 21वें मिनट एमसी इलेवन के प्रकाश पटेल ने गोल करते हुए 1-0 गोल की बढ़त बनाई थी, जिसे यूथ क्लब के टीम ने इस बढ़त को मैच के 23वें मिनट कारण साहू ने गोल करते हुए 1-1 पर ला दिया। यूथ क्लब के टीम ने अपने खेल में बदलाव करते हुए मैच के 24वें मिनट और 25वें मिनट कारण साहू ने गोल करते हुए अपने टीम को 3-1 गोल की बढ़त दिलाई। वहीं मैच के 28वें मिनट में एम सी इलेवन को पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसे तौफीक अहमद ने गोल में बदलकर स्कोर 3-2 पर ला दिया, वहीं मैच के 29वें मिनट में एमसी इलेवन के दुर्गेश नागपुरे ने गोल करते मैच में वापसी कर स्कोर 3-3 की बराबरी पर ला दिया। मैच के 37वें मिनट यूथ क्लब के कारण साहू ने गोल करते हुए स्कोर 4-3 पर ला दिया। वहीं मैच के 38वें मिनट में एम सी इलेवन के तौफीक अहमद ने गोल करते हुए 4-4 गोल कर बराबरी पर ला दिया। तत्पश्चात मैच का निर्णय पेनल्टी स्ट्रोक के माध्यम से किया गया, जिसमें यूथ क्लब ने 4-1 गोल से एमसी इलेवन को पराजित करते हुए स्व. ए.आर. देवांगन स्मृति हॉकी प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता में व्यक्तिगत पुरस्कार भी प्रदान की गई, जिसमें बेस्ट फॉरवर्ड विवेक यादव, यूथ क्लब, बेस्ट फुल बैक आदित्य मेश्राम, यूथ क्लब बेस्ट गोल कीपर दक्ष चौबे यूथ क्लब को साथ ही मैन ऑफ द मैच दुर्गेश नागपुरे एमसी इलेवन को प्रदान किया।

फाइनल के पूर्व बालिका वर्ग का भी प्रदर्शन मैच खेला गया, जिसमें साई सेंटर राजनांदगांव ने 2-0 गोल से खेलो इंडिया राजनांदगांव को पराजित किया। इस मुकाबले में साईं सेंटर की ओर से दोनों गोल नैना सोनकर ने ही किया था। बालिका वर्ग विजेता व उपविजेता टीम को अजय बंधेश्वर और सारिका बंधेश्वर द्वारा विशाल ट्रॉफी प्रदान की गई। आज के मैच में खेमराज सिन्हा, सुखदेव निर्मलकार, कृष्ण यादव, योगेश द्विवेदी, सचिन खोब्रागढ़े ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

आज के मैच में प्रमुख रूप से फिरोज अंसारी अध्यक्ष जिला हॉकी संघ, शिवनारायण धकेता, सचिव जिला हॉकी संघ नीलम जैन, कुतुबुद्दीन सोलंकी, प्रकाश सांखला, ज्ञानचंद जैन, गणेश प्रसाद शर्मा, आशा थॉमस, प्रिंस भाटिया, मृणाल चौबे, प्रकाश शर्मा, अजय झा, अनूप श्रीवास्तव, छोटे लाल रामटेके, अरुण श्रीवास्तव, अशोक देवांगन, दीपक यादव, चंदन भारतद्वाज, अनुराज श्रीवास्तव, शिवा चौबे, भागवत यादव, महेंद्र सिंह, संतोष चौकेंद्र, गुणवंत पटेल, दिग्विजय श्रीवास्तव, एमवाय कुरैशी, शब्बीर हैदरी, परमजीत सिंह, खुशाल यादव, अशोक देवांगन, सचिन खोब्रागढ़े, योगेश द्विवेदी, संजू पटेल, आयोजन सचिव आशीष सिन्हा, अशोक नागवंशी, लक्ष्मण यादव, महबूब शरीफ़ सुरेंद्र साहू, मुकेश जायसवाल, मनीष यादव, योगेश द्विवेदी, अखिलेश मिश्रा, जावेद खान आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन विकास वैष्णव ने और भूषण साव ने आभार व्यक्त किया।

खबर-खास

एनएमडीसी ने नौ माह में हासिल किया रिकार्ड ङ्क तोड़ भौतिक एवं वित्तीय परिणाम

हैदराबादः भारत की सबसे बड़ी लौह अयस्क उत्पादक कंपनी एनएमडीसी ने वित्त वर्ष 2026 के 9 माह में मात्रा और वित्तीय दोनों क्षेत्रों में मजबूत वृद्धि दर्ज करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। जिम्मेवार खनिक ने जनवरी में अब तक का सर्वश्रेष्ठ उत्पादन एवं बिक्री दर्ज की, जिससे कंपनी की प्रचालन गति और मजबूत हुई। कंपनी ने 5.56 एमटी लौह अयस्क का उत्पादन किया और 4.79 एमटी की बिक्री की, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में उत्पादन में 9त्न और बिक्री में 7% की मजबूत वार्षिक वृद्धि दर्शाती है। जनवरी 2026 तक कंपनी का संचयी प्रदर्शन इस प्रगति को और भी उजागर करता है। उत्पादन बढ़कर 42.65 एमटी हो गया, जो 19% की सर्वोच्च वृद्धि को दर्शाता है, जबकि बिक्री बढ़कर 39.73 एमटी हो गई, जो वार्षिक आधार पर 9.7% की वृद्धि है।

वित्तीय प्रदर्शन पर, एनएमडीसी ने स्थापना के बाद से वित्त वर्ष 2026 के प्रथम नौ माह में शानदार प्रदर्शन किया। राजस्व में 22% की वृद्धि दर्ज की गई और यह 20,381 करोड़ तक पहुंच गया, जबकि पीबीटी में 5त्न की वृद्धि हुई और यह 7,280 करोड़ तक पहुंच गया। पीएटी में 4% की वृद्धि हुई और यह 5,401 करोड़ तक पहुंच गया, जबकि ईबीआईटीडीए बढ़कर 7,666 करोड़ हो गया, जो 5% की वृद्धि दर्शाता है। एनएमडीसी ने अपने शेयरधारकों के लिए प्रति शेयर 2.50 रुपये का अंतरिम लाभांश भी घोषित किया । यह प्रदर्शन रिकॉर्ड मात्रा और निरंतर प्रचालन उत्कृष्टता के कारण ही संभव हुआ, जिससे एनएमडीसी भारत की सबसे मजबूत खनन कंपनियों में से श्रेष्ठ कंपनी के रूप में स्थापित हो गई है।

स्थापना के बाद से अब तक के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े हासिल करके एनएमडीसी अपने वार्षिक लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रही है। जनवरी में कंपनी की प्रथम कोयला खदान - झारखंड में टोकीसुद नॉर्थ कोयला खदान का उद्घाटन भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो एनएमडीसी के इतिहास में एक और बड़ी सफ्लता हासिल की है। यह प्रदर्शन एनएमडीसी के रणनीतिक फोकस, प्रचालन क्षमता और दीर्घकालिक दृष्टिकोण को दर्शाता है। कंपनी अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने और अपनी क्षमताओं को मजबूत करने के साथ-साथ जिम्मेवार खनन और सतत विकास के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता कायम रखती है, जिससे भारत के खनन क्षेत्र में इसकी अग्रणी स्थिति और मजबूत होती जा रही है।

05 एवं 06 फरवरी को होगी तीन श्रेणियों के किसानों की धान खरीदी

दुर्ग/ मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर प्रदेश में किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए धान खरीदी की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण राहत प्रदान की गई है। इसके अंतर्गत तीन श्रेणियों के किसानों को धान विक्रय हेतु अतिरिक्त दो दिवस ङ्क 05 एवं 06 फरवरी 2026 तक खरीदी की अनुमति प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार तीन प्रकार के किसान इस अतिरिक्त अवधि में धान विक्रय कर सकेंगे– ऐसे किसान, जिनके द्वारा 10 जनवरी 2026 के पश्चात टोकन हेतु आवेदन किया गया, किंतु सत्यापन नहीं हो पाया है। ऐसे किसान, जिनके द्वारा 10 जनवरी 2026 के पश्चात आवेदन किया गया तथा सत्यापन उपरांत उनके पास धान पाया गया है। ऐसे किसान, जिन्हें दिनांक 28 जनवरी 2026, 29 जनवरी 2026 एवं 30 जनवरी 2026 को टोकन प्राप्त हुआ था, परंतु किसी कारणवश वे निर्धारित तिथि पर धान विक्रय नहीं कर पाए थे। किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए बारदाना एवं हमालों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं। राज्य सरकार का यह निर्णय किसानों के प्रति संवेदनशीलता और उनकी उपज के सुरक्षित एवं सुचारु विक्रय के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार पाटन के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202601104500064

विषय-अ-6 अ **मामले कीश्रेणी-राजस्व** सन-2025-26

परसाही (प.ह.नं. 00026)

पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार-लक्ष्मण

अनावेदक पक्षकार-

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम परसाही प.ह.नं.26 तहसील पाटन जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक लक्ष्मण साहू पिता समारू निवासी ग्राम परसाही द्वारा आनलाईन नक्शे के अनुसार मूल नक्शे को सुधार करने बाबत आवेदन प्रस्तुत किया है।

अत: उपरोक्तानुसार कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को किसी प्रकार का कोई दावा/आपत्ति हो तो सुनवाई हेतु नियत तिथि 18.02.2026 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से उपस्थित होकर अपनी लिखित आपत्ति इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 28.01.2026 को जारी किया जाता है।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार पाटन

भाजपा की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ कांग्रेस ने कलेक्ट्रेट घेराव करने दो बेरिकेट्स तोड़े

दीपक बैज के नेतृत्व में कवर्धा में फूटा जनआक्रोश।

कवर्धा / समयदर्शन। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज के नेतृत्व में कांग्रेस ने जिलामुख्यालय कवर्धा में मंगलवार को ऐतिहासिक कलेक्ट्रेट घेराव करने का प्रयास किया। भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक विफ्लताओं के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन करते हुए कांग्रेसजनों ने दो बेरिकेट्स तोड़ डाले और तीसरे बेरिकेट्स के पास पुलिस ने रोक लिया। हजारों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, किसान, मजदूर, महिलाएं और युवा सड़कों पर उतरे और भाजपा सरकार के खिलाफ उग्र जनआंदोलन किया।

प्रदेश अध्यक्ष श्री बैज ने कहा कि भाजपा सरकार ने सत्ता में आते ही गरीब, किसान और मजदूरों के हक पर सीधा हमला किया है। कांग्रेस जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए मजबूरन सड़कों पर उतरी है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की 11 हजार से अधिक पंचायतों में मनरेगा का काम ठप पड़ा है। भाजपा सरकार मजदूरों से उनका संवैधानिक अधिकार छीन रही है। यूपीए सरकार के समय डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा लागू मनरेगा ने पंचायतों को मजबूत किया था, लेकिन भाजपा ने पंचायत व्यवस्था को पंगु बना दिया है।

श्री बैज ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने एसआईआर के नाम पर विशेष रूप से और एसटी-एसटी और कमजोर वर्गों को निशाना बनाकर उनके वोट काटने की साजिश कर रही है। यह लोकतंत्र की सीधी हत्या है और गरीबों को मतदान से दूर रखने की कोशिश है।

उन्होंने कहा कि कवर्धा गृह मंत्री विजय शर्मा का गृह जिला होने के बावजूद यहां हत्या, लूट, चोरी, डकैती, बलात्कार और अपहरण की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। अपराधी बेखौफहैं और प्रशासन भाजपा के इशारे पर सच्चाई दबाने में लगा है। लोहारीडीह, लालपुर और पुलिस कस्टडी में हुई मौतों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कुछ मामलों में कांग्रेस के दबाव में कार्रवाई हुई, लेकिन पीड़ित परिवारों को आज तक पूरा न्याय नहीं मिला।

प्रदेश अध्यक्ष बैज ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों से धान खरीदना ही नहीं चाहती। प्रदेश में 3 लाख से अधिक किसान आज भी धान बेचने से वंचित हैं। किसान दफ्तर-दफ्तर भटक रहे हैं और सरकार आंख मूंदकर बैठी है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासन में हजारों करोड़ रुपये का धान घोटाला हुआ है और कवर्धा में 7 करोड़ रुपए का धान घोटाला उजागर होने के बावजूद कार्रवाई केवल छोटे लोगों पर की जा रही है।

पूर्व विधायक श्रीमती ममता चंद्राकर ने कहा कि भाजपा की नीतियों ने आम जनता को पलायन के लिए मजबूर कर दिया है और कवर्धा जिला महिलाओं के लिए असुरक्षित बन चुका है। पूर्व विधायक भुनेश्वर बघेल ने कहा कि मोदी सरकार और भाजपा गरीबों के हक पर डाका डाल रही है और मनरेगा जैसी जनकल्याणकारी योजना को खत्म कर गरीबों का रोजगार छीना जा रहा है।

0 सात करोड़ के धान घोटाले में मंत्री विधायक सीधे संलिप्त- नवीन

जिला कांग्रेस अध्यक्ष नवीन जायसवाल ने बताया कि मनरेगा बचाओ महासंग्राम के तहत कबीरधाम जिले की 400 से अधिक पंचायतों में जन चौपाल लगाई गई। कांग्रेस कार्यकर्ता गांव-गांव और पंचायत-पंचायत जाकर भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों को जनता के सामने उजागर कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 7 करोड़ रुपए के धान घोटाले में भाजपा के मंत्री, विधायक और नेता सीधे तौर पर संलिप्त हैं, लेकिन कार्रवाई केवल समिति प्रबंधकों तक सीमित है। जिले में अपराध, अवैध शराब, गांजा और नशे का कारोबार खुलेआम चल रहा है। अधिकारी-कर्मचारी बेलगाम हैं और भाजपा नेताओं की गुंडागर्दी से पूरे जिले में भय का माहौल है। कांग्रेस पार्टी ने स्पष्ट किया कि जनता के अधिकारों के लिए यह संघर्ष आगे भी और तेज किया जाएगा और भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों का हर मोर्चे पर विरोध जारी रहेगा।

आज के धरना प्रदर्शन व घेराव कार्यक्रम में थानेश्वर पाटिल, पदम कोठारी, अर्जुन तिवारी, लालजी चंद्रवंशी, महेश चंद्रवंशी, कलीम खान, वीरेंद्र जांगड़े, जगमोहन साहू, राधेलाल भास्कर, सीमा अनंत अगम, रवि चन्द्रांवशी, पदुम सेन, अशोक सिंह ठाकुर, छबि वर्मा, मणिकांत त्रिपाठी, चेतन वर्मा, घनश्याम साहू, उतरा दिवाकर, प्रभाती मरकाम, शौखी साहू, चंद्रभान कोसले, शीतेष चंद्रवंशी, गोपाल चंद्रवंशी, आनंद सिंह ठाकुर, मनीष शर्मा, गोपाल चंद्रवंशी, प्रशांत परिहार, वैभव ठाकुर, मेहुल सत्यवंशी, राजेन्द्र मार्कण्डेय, आशु साहू, मुकुंद माध्व कश्यप, वाल्मीकि वर्मा, अश्वनी वर्मा, विक्की वर्मा, सुजल ठाकुर, आशीष गुप्ता, सुधांशु बघेल, अमन पाटस्कर, कन्नू आमदे, नरेंद्र वर्मा, अमन वर्मा, तुषार वर्मा, भुवनेश्वर पटेल, चोवा राम साहू, जुबी खान, नेमी चंद पटेल, भगवान सिंह पटेल, गब्बर खान, शेष बैस, रवि कांत ठाकुर, संतोष यादव, जलेश यादव, अजहर खान, महेंद्र कुंभकार, आनंद कुंभकार, भोलाराम चंद्रवंशी, रोहित चंद्रवंशी, विनोद चंद्रवंशी सहित हजारों की संख्या कांग्रेस के कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित थे।

चरित्र संदहे की बात पर हत्या करने वाले दो महिला आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

गरियाबंद (समय दर्शन)। 2 फरवरी 2025 को थाना शोभा का मर्ग क्र. 01/2026 धारा 194 बीएनएसएस की जांच किया,जांच के दौरान महिला दीनपबाई नेताम पति जोलू राम नेताम उम्र 34 वर्ष निवासी गरीबा थाना शोभा जिला गरियाबंद एवं अभीराम नेताम,रायमन नेताम,जयदेव नेताम,सरजु राम नेताम का कथन लिया गया जो कथन मे बताये कि मृतिका सुमित्रा बाई उडीसा चितरकोटी से अपने पति दलसु नेताम के साथ आयी थी,जो लारी में झोपडी बनाकर रह रही थी।आरोपी महिला सुगंतीन नेताम एवं इतवारीन बाई को उनके चरित्र को लेकर गाली गलौच भला बुरा कहकर गांव में आकर बोलती रहती थी।आरोपी महिलाओं के द्वारा मृतिका सुमित्रा बाई के लारी में जाकर हम दोनो को बदनाम करती हो कहकर एक राय होकर जान से मारने की नियत से घसीटते हुए लात घूसा से मारपीट एवं हांथ मुक्का से मारपीट करने से मृतिका सुमित्रा बाई के शरीर के विभिन्न जगह चोंट आने से उसकी मृत्यु हो गई, घटना में प्रथम दृष्टया धारा 103(1), 3(5) बीएनएस का अपराध पाये जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

आरोपी महिला इतवारीन बाई पति सुकु राम नेताम उम्र 46 साल,सुगंतिन नेताम पति सरजु राम नेताम उम्र 36 साल साकिनान ग्राम गरीबा थाना शोभा जिला गरियाबंद (छ0ग0) को पुलिस अभिरक्षा में लेकर पुछताछ करने पर चरित्र संदेह को लेकर गांव-गांव में जाकर बदनाम करने से हांथ,मुक्का,लात,घूसा से मार-पीट कर हत्या करना जुर्म स्वीकार करने से समक्ष गवाहन के विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

रेंज स्तरीय ''ऑपरेशन निश्चय'' के तहत साढ़े पांच लाख के अवैध गांजा के साथ 3 आरोपी गिरफ्तार

गरियाबंद (समय दर्शन)। ऑपरेशन निश्चय के अंतर्गत पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज,रायपुर अमरेश मिश्रा के दिशा निर्देश एवं मार्गदर्शन में रेंज स्तर पर ऑपरेशन निश्चय चलाया जा रहा है।जिसके परिपालन में समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को अवैध गांजा,हीरा के साथ वन्य जीवों के तस्करी पर रोकथाम एवं प्रभावी कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया था।इसी तरह 3 फरवरी को थाना प्रभारी फिंगेश्वर को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि 3 व्यक्ति एक मोटर सायकल क्रमांक सीसी 07-सी.डी. 0616 में अवैध रूप से गांजा मादक पदार्थ रख कर उड़ीसा की ओर से फिंगेश्वर की ओर आ रहा है।इस सूचना पर थाना प्रभारी फिंगेश्वर के द्वारा पुलिस स्टाफ भेज कर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग करने के निर्देश दिये।वाहन चेकिंग के दौरान संदिग्ध वाहन सीसी 07-सी.डी. 0616 को आते देख कर मोटर सायकल को पुलिस स्टाफ द्वारा रोक कर मोटर सायकल चालक एवं मोटर सायकल में पीछे बैठे व्यक्तियों का नाम पता पुछने पर मोटर सायकल चालक के द्वारा आपना नाम राकेश ठाकुर पिता गैंदू ठाकुर उम्र 42 वर्ष,संजय उके पिता स्व बाल कुमार उके उम्र 42 वर्ष और परमानंद साहू पिता किशन साहू उम्र 36 वर्ष सभी का निवास बैकुठधाम वार्ड नम्बर 31 भिलाई थाना छावनी जिला दुर्ग छ.ग.का रहने वाला बताये।तीनो के कब्जे से प्राप्त 11 किलो 300 ग्राम अवैध गांजा मादक पदार्थ कीमती 5 लाख 50 हजार रूपये, घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल नग मोबाइल को समक्ष गवाहन के जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया।उक्त दोनो आरोपियों का कृत्य अपराध धारा 20 (ख)एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण में विवेचना के दौरान आरोपी राकेश ठाकुर,संजय उके,परमानंद साहू को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

कांग्रेस के चककजाम एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पत्र के बाद दबाव में झुकी भाजपा सरकार, 2 दिन की धान खरीदी में बढ़ोतरी - राकेश ठाकुर

किसानों के साथ अभी भी हो रहा अन्याय, कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने सरकार को लिया आड़े हाथ

दुर्ग। छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार द्वारा धान खरीदी की अवधि को मात्र दो दिवस 05 एवं 06 फरवरी तक बढ़ाया जाना किसानों की पीड़ा का समाधान नहीं, बल्कि एक राजनीतिक दिखावा है। यह फैसला किसी संवेदनशील सरकार की पहल नहीं, बल्कि कांग्रेस पार्टी द्वारा प्रदेशभर में किए गए चक्काजाम और आंदोलन एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा लिखे गए पत्र के दबाव का सीधा परिणाम है। उक्त बातें जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) के जिलाध्यक्ष

राकेश ठाकुर ने एक बयान जारी कर कहा है। श्री ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों को गुमराह करने का काम कर रही है। सरकार ने जो दो दिन की अवधि बढ़ाई है, वह केवल पूर्व में काटे गए टोकन पर ही सीमित है, अर्थात जो किसान जिनका धान खरीदी के अंतिम दिन 30 जनवरी तक धान बेचने टोकन कटा था लेकिन देर रात होने के कारण खरीदी नही हो पाया था उन्ही किसानों का धान 2 दिन तक लिया जाएगा, जबकि हजारों ऐसे किसान हैं जिनका टोकन नहीं कट पाया और आज भी वे अपनी उपज बेचने से वंचित हैं। टोकन से वंचित किसानों का धान भाजपा सरकार अभी भी खरीदने को तैयार नहीं है, जो सरकार की किसान-विरोधी सोच को साफ उजागर करता है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार में जरा भी ईमानदारी होती, तो टोकन की शर्त समाप्त कर सभी किसानों का धान खरीदा जाता। दो दिन की औपचारिक बढ़ोतरी कर भाजपा सरकार सिर्फशिगूफा है, जबकि किसान आज भी मंडियों व कोचिये के चक्कर मे भटकने को मजबूर हैं। जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि टोकन से वंचित किसानों को जानबूझकर धान बेचने से रोका जा रहा है, यह सरासर अन्याय है। उन्होंने मांग की कि ऐसे सभी किसानों का धान खरीदने का तत्काल निर्णय सरकार ले, अन्यथा कांग्रेस पार्टी और भी आक्रामक आंदोलन छेड़ेगी।

डोनगांवकर बाड़ा में भागवत कथा का भव्य आयोजन

दुर्ग। स्थानीय मोतीपारा स्थित डोनगांवकर बाड़ा में भागवत महिला समिति के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के द्वितीय दिवस में चित्रकूट से पधारे सुप्रसिद्ध कथा वाचक भरत जी महाराज ने ध्रुव चरित्र का अत्यंत भावपूर्ण एवं प्रेरणादायक प्रसंग श्रद्धालुओं को सुनाया। कथा के दौरान भरत जी महाराज ने माता के आचरण एवं संतान के पालन-पोषण के महत्व पर विशेष प्रकाश डालते हुए कहा कि माता चाहे तो अपनी संतान को राम, कृष्ण, महावीर और गौतम बुद्ध जैसा महान बना सकती है और यदि चाहे तो वही संतान रावण और कंस जैसे अधर्मी मार्ग पर भी जा सकती है। उन्होंने बताया कि बालक के चरित्र निर्माण में माता का आचरण सर्वोपरि होता है। ध्रुव जी की तपस्या का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि ध्रुव ने पूर्ण एकाग्रता एवं दृढ़ निश्चय के साथ भगवान की आराधना की, जिसके परिणामस्वरूप भगवान ने उन्हें शीघ्र दर्शन दिए।

NAME CHANGE

I, this is to inform the general public that I, TRILOCHANI SAHU, W/O HALDHAR RAM SAHU resident of New Sundar Nagar, Borsi, Durg (Chhattisgarh), have changed my old name TRILOCHANI SAHU, W/O HALDHAR RAM SAHU, and have adopted the new name TRILOCHNI SAHU, W/O HALDHAR RAM SAHU.Hence, from today onwards, I should be known by my new name TRILOCHNI SAHU, W/O HALDHAR RAM SAHU, in all government, semi-government and other documents.

TRILOCHNI SAHU, W/O HALDHAR RAM SAHU resident of New Sundar Nagar, Borsi, Durg (Chhattisgarh)

NAME CHANGE

I, this is to inform the general public that I, Haladhar Ram Sahu, s/o Late Ganga Ram Sahu, resident of New Sundar Nagar, Borsi, Durg (Chhattisgarh), have changed my old name Haladhar Ram Sahu, s/o Late Ganga Ram Sahu, and have adopted the new name Haldhar Ram Sahu, s/o Late Ganga Ram Sahu.Hence, from today onwards, I should be known by my new name Haldhar Ram Sahu, s/o Late Ganga Ram Sahu, in all government, semi-government and other documents.

Haldhar Ram Sahu, s/o Late Ganga Ram Sahu resident of New Sundar Nagar, Borsi, Durg (Chhattisgarh)

दुर्ग संभाग में ग्रीष्मकालीन धान के 33 हजार हेक्टेयर से अधिक रकबे में कमी

दुर्ग/ लगातार घटती वर्षा, भू-जल स्तर में गिरावट तथा बढ़ती हुई सिंचाई लागत जैसी चुनौतियों के बीच कृषि को टिकाऊ एवं लाभकारी बनाने हेतु शासन द्वारा पहल की जा रही है। कृषि विभाग द्वारा ग्रीष्मकालीन धान फसल को हतोत्साहित करते हुए कृषकों को दलहन, तिलहन एवं अन्य फसल लेने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। कृषि विभाग एवं जिला प्रशासन के सतत् प्रयासों से दुर्ग संभाग में 33,010 हेक्टेयर ग्रीष्मकालीन धान के रकबे को प्रतिस्थापित करते हुए धान के स्थान पर वैकल्पिक फसल के रूप में 12,491 हेक्टेयर में दलहन, 3,532 हेक्टेयर में तिलहन, 3,106 हेक्टेयर में मक्का, 410 हेक्टेयर में लघु धान्य तथा 13,472 हेक्टेयर में अन्य फसल लिये जाने की जानकारी संयुक्त संचालक कृषि श्रीमती गोपिका गबेल द्वारा संभागीय आयुक्त दुर्ग को समीक्षा बैठक में दी गई। इस रकबे में और वृद्धि की संभावना है। संभागीय आयुक्त दुर्ग द्वारा प्रतिस्थापित रकबे को गिरदावरी में अनिवार्य रूप से शामिल करने के निर्देश दिये गये। अनियमित वर्षा, जल संरक्षण की कमी एवं भू-जल के अधिक दोहन होने के कारण ग्रीष्मकाल में राज्य के कई जिलों में पेयजल संकट एवं निस्तारी के पानी की समस्या हो जाती है। दिनों-दिन भू-जल स्तर में गिरावट भी दर्ज की जा रही है। केन्द्रीय भू-जल बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार दुर्ग संभाग के राजनांदगांव एवं बेमेतरा जिले को क्रिटिकल जोन में रखा गया है।

छत्तीसगढ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय अधीक्षण अभियंता
शिवनाथ मण्डल,दुर्ग (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 184680 / निविदा सूचना क्र. 15 / वलेलि / 2025-26 छुईखदान, दिनांक 02.02.2026

निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक **23.02.2026 17.30** तक ऑनलाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है:-

कार्य का नाम - खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई जिले के विकासखंड छुईखदान अंतर्गत कांशीनाला व्यपवर्तन योजना के मुख्य नहर आर.डी. 0 मी. से आर.डी. 2845 मी. तक जीर्णोद्धार एवं सीमेंट कांक्रीट लाईनिंग कार्य साथ ही 10 नग इनलेट, 01 नग नग इस्केप, 05 नग व्ही.आर.बी., 02 नग फाल का निर्माण कार्य एवं कुलाबा पाईप फिक्सिंग कार्य।

अनुमानित लागत - रू. 171.48 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक **09.02.2026** समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रमाणी के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

G- 252606421/2

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग,छईखदान (छ.ग.)
कृते-अधीक्षण अभिंयता शिवनाथ मण्डल दुर्ग (छ.ग.)

संक्षिप्त-खबर

राष्ट्रीय एड्स एवं एसटीडी नियंत्रण कार्यक्रम के तहत मुंगेली में बैठक सह प्रशिक्षण आयोजित

मुंगेली(समय दर्शन) राष्ट्रीय एड्स एवं एसटीडी नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में जागरूकता एवं क्षमता संवर्धन के उद्देश्य से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरगांव में बैठक सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहू एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन गिरीश कुर्रे के मार्गदर्शन में आयोजित बैठक सह प्रशिक्षण में जिला एड्स नियंत्रण अधिकारी डॉ. सुदेश रात्रे द्वारा एचआईवी/एड्स एक्ट 2017 के प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि किसी भी मरीज के साथ स्वास्थ्य सेवाओं में भेदभाव करना कानूनन अपराध है। यदि किसी प्रकार के भेदभाव की शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है, जिसमें जेल एवं जुर्माने की सजा भी हो सकती है। कार्यक्रम में टीबी एवं एचआईवी से संबंधित समन्वित सेवाओं पर भी चर्चा की गई तथा शीघ्र पहचान कर उपचार प्रारंभ करने पर बल दिया गया। प्रशिक्षण में परामर्शदाता दिलीप बसंत द्वारा एचआईवी, एसटीआई के रोकथा एवं बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। साथ ही पोस्ट एक्सपोजर प्रोफाइलिसिस के तहत सावधानियों एवं बचाव के बारे में बताया गया। साथ ही सभी चिकित्सकीय एवं स्वास्थ्य कर्मियों को एचआईवी संक्रमित गर्भवती माताओं की शीघ्र पहचान कर अनिवार्य जांच एवं उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कार्यक्रम में जागरूकता आधारित लघु फिल्म ÷जरा सी गलती÷ भी प्रदर्शित की गई। इस अवसर पर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने शपथ ली कि वे एचआईवी/एड्स संक्रमित व्यक्तियों के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं करेंगे तथा समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करने के लिए निरंतर प्रयास करेंगे। कार्यक्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. सत्येन्द्र जायसवाल, डॉ. पुष्पेन्द्र, स्वास्थ्यकर्मी एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

नेशनल लोक अदालत 14 मार्च को, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने ली बैंकों व बीमा कम्पनी के अधिकारियों की बैठक

मुंगेली(समय दर्शन)राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली तथा छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के तत्वावधान में 14 मार्च को जिले में वर्ष की प्रथम नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती गिरिजा देवी मेरावी ने जिला न्यायालय परिसर में बैंकों एवं बीमा कंपनियों के अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने लोक अदालत में बैंकों एवं बीमा कंपनियों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। न्यायाधीश श्रीमती मेरावी ने सभी बैंकों को निर्देशित किया कि वे प्री-लिटिगेशन प्रकरणों को अधिक से अधिक संख्या में नेशनल लोक अदालत में प्रस्तुत करें तथा प्रकरणों के निराकरण पर मिलने वाली छूट एवं लाभ की जानकारी पक्षकारों तक प्रभावी रूप से पहुँचाएं, ताकि अधिकाधिक मामलों का आपसी समझौते के माध्यम से समाधान हो सके। साथ ही, सभी बीमा कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण में लंबित क्लेम प्रकरणों के शीघ्र एवं सौहार्दपूर्ण निराकरण पर भी विस्तृत चर्चा की गई, जिससे न्यायिक बोझ कम हो और पीड़ित पक्षकारों को त्वरित न्याय मिल सके। बैठक में प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश राकेश कुमार सोम, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मुंगेली श्रीमति जसविंदर कौर अजमानी मलिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुंगेली की सचिव श्रीमति कंचन लता आचला, अधिवक्ता टीकम चंद्राकर एवं जिले के बैंकों के अधिकारी एवं अधिवक्तागण उपस्थित रहें।

सहयोग केन्द्र में 32 आवेदनों का त्वरित समाधान किया गया

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव के मार्गदर्शन में कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय के सहयोग केंद्र में स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने कार्यकर्ताओं की समस्याओं को सुनकर त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान प्रदेश महामंत्री द्वय अखिलेश सोनी व डॉ. नवीन मार्कण्डेय, प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज, सहयोग केंद्र प्रभारी सच्चिदानंद उपासने व प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक मितुल कोठारी उपस्थित रहे। बाद में मीडिया से चर्चा में मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि हमारी सरकार कार्यकर्ताओं और जनता की सरकार है।

किसानों के हित में अतिरिक्त दो दिवस आज 5 एवं 6 फरवरी को होगी धान खरीदी

कलेक्टर लंगेह ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से दिए निर्देश

तीन प्रकार के किसान धान बेच पाएंगे

महासमुन्द (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर प्रदेश में किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए धान खरीदी की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण राहत प्रदान की गई है। 5 और 6 फरवरी को किसानों के धान खरीदे जाएंगे।

इसके अंतर्गत तीन श्रेणियों के किसानों को धान विक्रय हेतु अतिरिक्त दो दिवस 05 एवं 06 फरवरी 2026 तक खरीदी की अनुमति प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार तीन प्रकार के किसान इस अतिरिक्त

अवधि में धान विक्रय कर सकेंगे– ऐसे किसान, जिनके द्वारा टोकन हेतु आवेदन किया गया, किंतु धान का भौतिक सत्यापन नहीं हो पाया है । ऐसे किसान, जिन्होंने टोकन हेतु आवेदन किया तथा सत्यापन उपरांत उनके पास धान पाया गया है, तथा जिनका टोकन नहीं कटा।

ऐसे किसान जिन्हें 28, 29 ,30 जनवरी 2026 के लिए टोकन प्राप्त हुआ था, परंतु किसी कारणवश वे निर्धारित तिथि पर धान विक्रय नहीं कर पाए थे।

कलेक्टर विनय लंगेह ने आज सुबह खाद्य विभाग की की बैठक लेकर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन तीनों प्रकार के किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं। इसके अलावा सभी नोडल अधिकारियों, उड़न दस्ता दलों को 5 फरवरी और 6 फरवरी को फील्ड में रहने के निर्देश दिए हैं कलेक्टर ने कहा कि शासन के मंशानुरूप इन तीनों प्रकार के किसानों का धान खरीदना सुनिश्चित किया जाएगा।

किड्स एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन के वार्षिकोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए विधायक डॉ. संपत अग्रवाल

शिक्षा के साथ सर्वांगीण विकास ही भविष्य की असली नींव-डॉ सम्पत अग्रवाल

स्कूल के वार्षिकोत्सव में बिखरे संस्कृति के रंग, विधायक डॉ. अग्रवाल ने विद्यार्थियों को दिया अनुशासन और परिश्रम का मंत्र

विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने बढ़ाया बच्चों का उत्साह

बसना (समय दर्शन)। बसना विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बंसुला में स्थित किड्स एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन इंग्लिश मीडियम स्कूल में वार्षिक उत्सव समारोह का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। इस गरिमामयी कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक डॉ. संपत अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक डॉ. संपत अग्रवाल द्वारा भारत माता एवं विद्या की देवी मां सरस्वती के तैलचित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्ज्वलन और विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इसके उपरांत स्कूली बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई, जिसने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया।

समारोह को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए। एक विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक एवं खेलकूद की गतिविधियां अत्यंत अनिवार्य हैं। ऐसी गतिविधियों से बच्चों के भीतर छिपी प्रतिभा बाहर आती है और उनका आत्मविश्वास बढ़ता है।

विधायक डॉ. अग्रवाल ने छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन ही वह समय है जब आप अपने भविष्य की नींव रखते हैं। आप केवल पढ़िए मत, बल्कि सीखिए। कड़ा परिश्रम और अनुशासन ही आपको सफलता के शिखर तक ले जाएगा। आने वाला समय तकनीक और नवाचार का है, इसलिए स्वयं को हर क्षेत्र में दक्ष बनाएं। कार्यक्रम के दौरान विधायक ने शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया। उन्होंने स्कूल प्रबंधन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण अंचल में इस तरह के शिक्षण संस्थान बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर क्षेत्र के भविष्य को गढ़ रहे हैं।

इस अवसर पर कबीर कुटी तरेकेला महंत लखन मुनि जी, अयोध्या से पधारे कथावाचिका ज्योति शास्त्री,पूर्व जिला पंचायत सभापति नोबिना अमृत जगत,संस्था के डायरेक्टर नीलू आर. के. दास,जनपद बसना सभापति प्रकाश सिन्हा,प्रदेश अध्यक्ष पत्रकार संघ सेवक दास दीवान, वरिष्ठ पत्रकार बी. एल. दास,साहू समाज अध्यक्ष महेंद्र साव,पूर्व अध्यक्ष साहू समाज पंकज साव,सत्य प्रकाश श्रीवास्तव, सेवानिवृत्त शिक्षक आर. बी. प्रधान,निज सचिव नरेंद्र बोरे, बसना बीआरसीसी अनिल सिंह साब,प्रबंधक सहकारी बैंक अमृत लाल जगत,पत्रकार एवं डायरेक्टर नीलू आर के दास, विवेकानंद दास, ?पत्रकार अभय धृतलहरे,जनपद सदस्य प्रतिनिधि ऋषिकेश पटेल,बंसुला सरपंच नवीन साहू , प्रधान पाठक दिनेश डड़सेना, प्राचार्य भगवती जगत, एडवोकेट घनश्याम साव, सीआरपीएफ जवान मुकेश भोई,शिक्षिका नंदिनी प्रधान,उषा बिसी,आरती नाग,हसीना बेगम,शबनम जौहरी ,तनु निशा, वसुधा साव,व एवं भारी संख्या में अभिभावक और स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार द्वारा मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया गया।

राष्ट्रीय महिला आयोग के शक्ति संवाद कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की भागीदारी

दुर्ग। दिनांक 29-30 जनवरी 2026 को नई दिल्ली के भारत मण्डपम में शक्ति संवाद कार्यक्रम में पूरे देश के कोने-कोने से आये राज्य महिला आयोग के अध्यक्ष व सचिवों के साथ छत्तीसगढ से अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक एवं सचिव श्री रमेश कुमार साहू ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता थी। उनके द्वारा सभी महिला आयोग की अध्यक्षों को बधाई व शुभकामनाएं भी दी गई। लगातार 02 दिन के संवाद कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ मे किये जा रहे जनसुनवाई कार्यक्रम की सराहना राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष द्वारा किया गया। दिन-भर चले विभिन्न सत्रों में अध्यक्ष व सचिवों ने छत्तीसगढ़ की उपलब्धियों की जानकारी दिया। छत्तीसगढ़ में महिला आयोग के द्वारा की जा रही जनसुनवाई की प्रक्रिया अब पूरे देश के महिला आयोग के द्वारा अपनाई जायेगी। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया राहटकर जी ने बताया कि उन्होंने अपने 09 माह के कार्यकाल में 85 जनसुनवाई की और महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाया है। अंर्तराष्ट्रीय महिला दिवस दिनांक 08 से 13 मार्च तक लगातार 400 जिलों में जनसुनवाई का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस हेतु सभी राज्य के महिला आयोग को 06 दिनों में अपने समस्त जिलों में जनसुनवाई कार्यक्रम रखना होगा। जिसकी रूपरेखा राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा भेजी जायेगी। राष्ट्रीय महिला आयोग ने लखपति दीदी की पेंटिंग प्रत्येक राज्यों से मंगायी थी। जिसमें कुम्हारपारा, कोण्डागांव छत्तीसगढ़ की लखपति दीदी सोनीबाई चक्रधारी की पेंटिंग राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष को भेंट दिया गया और उनका विवरण भी भेंट दिया। सभी राज्यों की लखपति दीदी की पेंटिंग की प्रदर्शनी भी राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा आयोजित की जायेगा।

यूजीसी समता नियमों के समर्थन एवं विवि के रिक्त एससी एसटी ओबीसी के पदों की भर्ती करने सौंपे ज्ञापन

सर्व अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग ने राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

महासमुन्द (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़िया सर्व समाज (एससी-एसटी ओबीसी) महासंघ के बैनर में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व केंद्रीय शिक्षा मंत्री व चेयरमैन युजीसी के नाम से कलेक्टर महासमुंद को युजीसी के नये नियमों के समर्थन एवं विश्वविद्यालयों में खाली पड़े एससी एसटी के पदों को भरने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में कहा गया है कि हम अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के लोग भारतीय संविधान में निहित समानता, सामाजिक न्याय एवं शिक्षा के अधिकार की मूल भावना के अनुरूप, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (तष्ट) द्वारा अधिसूचित नये नियमों (समता विनियमों) का पूर्ण समर्थन करते हैं।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 15 एवं 21 (क) के अंतर्गत प्रदत अधिकारों की भावना को सुदृढ़ करते हुए, तष्ट के नये नियम उच्च शिक्षा को अधिक समावेशी, पारदर्शी एवं गुणवतापूर्ण बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं जनहितकारी कदम हैं। इन नियमों से वंचित एवं पिछड़े वर्गों के विद्यार्थियों को समान अवसर प्राप्त होंगे तथा शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध एवं नवाचार को प्रोत्साहन मिलेगा। उक्त नियम राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उ?देश्यों के अनुरूप हैं तथा भारत को संविधान प्रदत्त सामाजिक समानता एवं ज्ञान आधारित समाज की दिशा में आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होंगे।

चुंकि आजादी के 78 वर्ष बाद भी विश्वविद्यालययो में जातिगत भेद भाव की घटनाएं कम होने की बजाए बढ़ रही है। युजीसी संसदीय समिति और सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत आंकड़ों के मुताबिक देश भर के विश्वविद्यालयों और कालेजों में जाति आधारित भेद-भाव की शिकायतों में 118त्न की वृद्धि हुई है।जिसको रोकने में यह नये नियम प्रभावकारी होगा। बल्कि केंद्र सरकार और युजीसी महाधिवक्ता के माध्यम से माननीय सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष जातिगत भेद-भाव की डाटा को पुरे तथ्यों के साथ मजबूती रखवाने कृपया करें जिससे इस नियम पर लगें रोक को हटाया जा सके।

देश के केंद्रीय विश्वविद्यालयों में ही प्रोफेसर, ऐसोसिएट प्रोफेसर, अधिकारी कर्मचारियों के अनुसूचित जाति वर्ग के 64त्न अनुसूचित जनजाति के 83त्न अन्य पिछड़ा वर्ग 80त्न पद रिक्त पड़े हुए हैं।वहीं सामान्य वर्ग के 80त्न पद भरे हुए हैं जिन पर केवल सर्वण वर्ग काबिज है। जबकि एससी-एसटी ओबीसी वर्ग के अभ्यर्थियों को नाट फाऊंड शुटेबल (ह्स्नस्) बताकर बाहर कर दिया जाता है।जिसके कारण देश के उच्च शिक्षा संस्थानों में असमानता पैदा हो रही है। अतः विश्वविद्यालयों में सामाजिक समानता लाने सभी वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए एससी एसटी ओबीसी वर्ग के सभी रिक्त पदों पर नियमों में शिथिलता प्रदान कर भरें जाने की जरूरत है।ज्ञापन सौंपने वालों में रमेश यदु प्रदेश अध्यक्ष, बसंत सिन्हा जिला अध्यक्ष, विजय बंजारे कार्यकारी अध्यक्ष, दिनेश बंजारे सलाहकार देवेंद्र रौतिया, दीपक साहू, हीरा नेताम उपाध्यक्ष, दीपक साहू,जिला संरक्षक गण एस. पी. ध्रुव, एच. आर. बघेल, ढेलू निषाद, राजेश डडसेना विधीसलाहकार ललित साहू जिला अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ लिलेश्वर साहू दिनेश्वर साहू एवं बड़ी संख्या में एससी एसटी ओबीसी वर्ग के पदाधिकारियों समाजजनों के लोग उपस्थित रहे।

उन्नत कृषि तकनीक से मूंगफली उत्पादन में हुई बढ़ोतरी, कृषक नागेश्वर सिंह परिहार ने कमाए 1.18 लाख रूपए

मुंगेली(समय दर्शन) कृषि विभाग की केन्द्र प्रवर्तित नेशनल मिशन ऑन एडीबल ऑयल-ऑयल सीड योजना के लाभ से कृषक नागेश्वर सिंह परिहार ने खरीफमौसम में मूंगफली उत्पादन में बढ़ोत्तरी प्राप्त की है, जिससे उन्होंने 1.18 लाख रूपए कमाए हैं। मुंगेली विकासखण्ड के ग्राम बरईदहरा के 59 वर्षीय किसान परिहार स्नातक (बी.ए.) शिक्षित किसान हैं तथा पारंपरिक कृषि अनुभव के साथ आधुनिक तकनीकों को अपनाने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। उनके पास कुल 02 हेक्टेयर कृषि भूमि है, जिसमें से 1.5 हेक्टेयर क्षेत्र को उन्होंने उक्त योजना के अंतर्गत मूंगफली फसल के लिए चयनित किया। कृषि विभाग द्वारा योजना के अंतर्गत श्री परिहार को 1.5 हेक्टेयर हेतु 150 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता युक्त मूंगफली बीज निःशुल्क प्रदाय किया गया। साथ ही, विभागीय अमले एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों द्वारा समय-समय पर उन्नत कृषि तकनीकों जैसे कतार बोनी, बीजोपचार, जैविक आदानों के प्रयोग तथा गुणवत्ता युक्त बीज के महत्व की जानकारी दी गई। योजनांतर्गत आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में परिहार को मूंगफली की खेती की संपूर्ण शस्य क्रियाएँ, फसल की क्रांतिक अवस्थाएँ, खाद एवं उर्वरक का समन्वित उपयोग तथा बीज उत्पादन के मापदण्डों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इन वैज्ञानिक सलाहों को अपनाकर उन्होंने फसल प्रबंधन को बेहतर ढंग से क्रियान्वित किया। परिणामस्वरूप, खरीफमौसम में उनकी मूंगफली फसल का उत्पादन पूर्व वर्षों की तुलना में अधिक रहा। निःशुल्क बीज प्राप्त होने से बीज खरीद पर होने वाला व्यय बचा, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में प्रत्यक्ष सुधार हुआ। किसान परिहार ने कहा कि कृषि विभाग की इस महत्वाकांक्षी योजना ने न केवल उन्हें आर्थिक लाभ दिया, बल्कि उन्नत तकनीकों के प्रति उनका विश्वास भी बढ़ाया है। वे इसके लिए कृषि विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अन्य कृषकों को भी शासकीय योजनाओं का लाभ लेने एवं वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

एसीबी बिलासपुर की जांजगीर जिले में बड़ी ट्रैप कार्यवाही

अतिरिक्त तहसीलदार पामगढ़ श्रीमती करुणा आहेर और चोरभट्टी पटवारी आयुष ध्रुव 35000 रूपये रिश्वत लेते हुए पकड़े गए

धान उपार्जन केंद्र चोरभट्टी के प्रभारी से मांगी गई थी रिश्वती रकम। रिश्वती रकम बरामद

जांजगीर// समय दर्शन // एसीबी /आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो द्वारा लगातार छेड़े जा रहे व्यापक ट्रैप अभियान के तारतम्य में आज दिनांक 4.02.26 को एसीबी इकाई बिलासपुर द्वारा जांजगीर जिले में पामगढ़ मे अतिरिक्त तहसीलदार पामगढ़ श्रीमती करुणा आहेर और उच्चभट्टी पटवारी आयुष कुमार ध्रुव को 35000 रुपए रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया ।

डीएसपी एसीबी बिलासपुर अजितेश सिंह ने बताया कि धान उपार्जन केंद्र चोरभट्टी के प्रभारी धीरेन्द्र कुमार कौशिक द्वारा – एसीबी इकाई बिलासपुर में इस आशय की शिकायत की गई थी कि उसके धन उपार्जन केंद्र उच्चभट्टी में अतिरिक्त तहसीलदार करुणा आहेर द्वारा पूर्व में निरीक्षण किया जाकर धान खरीदी कार्य ठीक से नहीं कर रहे हो बोलकर पंचनामा तैयार किया गया तथा बड़े अधिकारियों को

रिपोर्ट न भेजने के एवज में 30 से 40 हजार रुपए तक की व्यवस्था करने को कहा गया तथा अपने साथ गए पटवारी उच्चभट्ठी आयुष कुमार ध्रुव से भी अलग से बात करने के लिए कहा गया जिस पर उसके द्वारा मौके पर पटवारी से बात करने पर पटवारी द्वारा भी मैडम द्वारा मांगी गई राशि को देने हेतु और अपने लिए भी कुछ पैसा व्यवस्था करने के लिए कहा गया । वह उक्त लोगों को रिश्वत में 35000 रुपए नहीं देना चाहता बल्कि रिश्वत लेते हुए संबंधित को पकड़वाना चाहता है।शिकायत का सत्यापन कराने पर शिकायत सही पाई गई जिस पर ट्रैप की योजना तैयार की गई । आज दिनांक 04.02.26 को प्रार्थी द्वारा व्यवस्था की गई राशि 35000 रुपए को आरोपीगण को देने हेतु भेजा गया जिस पर अतिरिक्त तहसीलदार द्वारा रिश्वत रकम पटवारी को देने हेतु कहे जाने पर पटवारी आयुष कुमार ध्रुव द्वारा रिश्वती राशि 35000 रुपए को स्वीकार करते ही आसपास तैनात एसीबी टीम द्वारा पटवारी तथा अतिरिक्त तहसीलदार करुणा आहेर को पकड़ लिया गया।रिश्वत में ली गई राशि 35000 रुपए को पटवारी आयुष ध्रुव से बरामद कर लिया गया है। एसीबी के द्वारा दोनों आरोपियों के विरुद्ध धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 के तहत कार्यवाही की जा रही है। गौरतलब है कि एसीबी के द्वारा भ्रष्ट अधिकारियों /कर्मचारियों की लगातार कार्यवाही की जा रही है इसी अनुक्रम में उक्त कार्यवाही भी की गई है।एसीबी द्वारा किसी भी विभाग के लोकसेवक द्वारा रिश्वत की मांग किए जाने पर तत्काल सूचना देने हेतु अपील की है।।।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26